twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 28 अप्रैल, 2025 | वर्षः 12, अंकः 171, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पहलगामः पीड़ितों को न्याय जरूर मिलेगाः पीएम मोदी

पहलगाम में हुए इस हमले से मन में गहरी पीड़ा है, आतंकी हमले की सबने कड़ी निंदा की

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों को न्याय अवश्य मिलेगा और हमले के साजिशकर्ताओं को कठोरतम दंड दिया जाएगा। पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है और आतंकवाद के खिलाफ 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता इस लड़ाई की सबसे बड़ी ताकत है। मन की बात के 121वें में एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा, "आज दुनिया देख रही है कि इस हमले के बाद भारत एक स्वर में आतंक के खिलाफ खड़ा हुआ है।" उन्होंने बताया कि वैश्विक नेताओं ने भी भारत के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए हमले की कठोर निंदा की है। मोदी ने आतंकी हमले को जम्मू-कश्मीर में लौटती शांति और विकास को बाधित करने की नाकाम कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में हो रहे सकारात्मक बदलाव आतंकवाद के समर्थकों को रास नहीं आए, इसलिए इस प्रकार की कायरतापूर्ण साजिश रची गई। इतिहास से प्रेरणा लेते हुए प्रधानमंत्री ने 'चंपारण सत्याग्रह' की गाथा साझा की, जिसमें महात्मा गांधी और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में किसानों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष हुआ था। उन्होंने युवाओं से 'सत्याग्रह इन चंपारण' पुस्तक पढ़ने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि 1917, अप्रैल और मई के दो महीने - देश में आजादी की एक अनोखी लड़ाई लड़ी जा रही थी। अंग्रेजों के अत्याचार उफान पर थे। गरीबों, वंचितों और किसानों का शोषण अमानवीय स्तर को भी पार कर चुका था। बिहार की उपजाऊ धरती पर ये अंग्रेज किसानों को नील की खेती के लिए मजबूर कर रहे थे।

भारत को मिल रहा पूरे विश्व का समर्थन

पीएम नरेन्द्र मोदी ने रविवार (27 अप्रैल) को मन की बात कार्यक्रम में कहा है कि भारत को पूरे विश्व का समर्थन मिला हुआ है। सच्चाई यही है कि समर्थन अभूतपूर्व है। विदेश मंत्रालय ने जो अभी तक सूचना उपलब्ध कराई है उससे पता चलता है कि शनिवार तक 16 देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने पीएम मोदी से टेलीफोन पर बात की है। कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकियों के हमले की निंदा की है, मृतकों के लिए अपनी संवेदना जताई है। कई देशों ने पीएम मोदी से भारत को समर्थन देने की बात भी कही है। पहलगाम हमले के बाद भारत के प्रमुख रणनीतिक साझेदार देश अमेरिका ने जो प्रतिक्रिया दी है।

प्राकृतिक आपदाओं में सतर्कता बढ़ाने की पहल की जानकारी भी साझा की

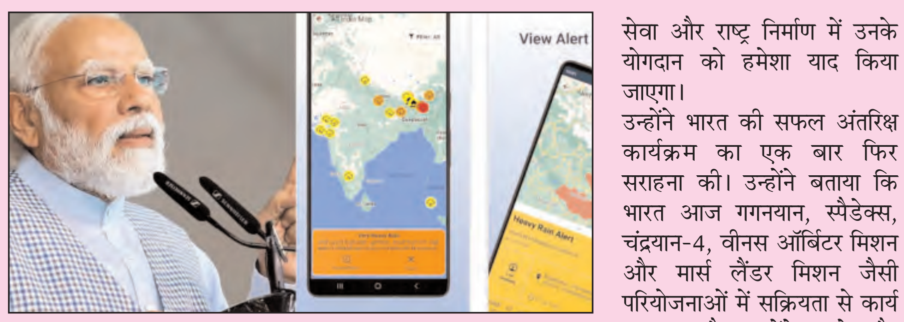

प्रधानमंत्री ने 'सचेत ऐप' के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं में सतर्कता बढ़ाने की पहल की जानकारी भी साझा की। यह एप्लिकेशन लोगों को बाढ़, भूकंप, चक्रवात जैसी आपदाओं के समय अलर्ट भेजता है। सेवा और मानवीयता की भावना को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने म्यांमार में भूकंप के बाद भारत द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन ब्रह्मा' का उल्लेख किया। साथ ही इथियोपिया में भारतीय प्रवासियों द्वारा हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के इलाज के प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि भारत ने अफगानिस्तान और नेपाल को जीवनरक्षक वैक्सीन और दवाओं की आपूर्ति कर अपनी वैश्विक मानवता में भूमिका को निभा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में देश के महान वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और कहा कि देश की निःस्वार्थ सेवा और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

उन्होंने भारत की सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम का एक बार फिर सराहना की। उन्होंने बताया कि भारत आज गगनयान, स्पैडेक्स, चंद्रयान-4, वीनस ऑर्बिटर मिशन और मार्स लैंडर मिशन जैसी परियोजनाओं में सक्रियता से कार्य कर रहा है। उन्होंने इसरो और भारत के स्पेस स्टार्टअप्स की भी सराहना की जो देश को एक वैश्विक स्पेस पावर बनाने में योगदान दे रहे हैं।

पाकिस्तान से व्यापार पूरी तरह बंद करेंगे भारतीय व्यापारीः कैट

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के कारण भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बहुत बढ़ गया है। इस तनाव के बीच भारत के व्यापारियों ने पाकिस्तान के साथ व्यापार न करने का कड़ा निर्णय लिया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सर्वसम्मति से पाकिस्तान के साथ हर तरह का व्यापार पूरी तरह से बंद करने का फैसला किया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को इसकी जानकारी दी। कारोबारी संगठन कैट की दो दिवसीय राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की (25-26 अप्रैल) बैठक भुवनेश्वर में हुई, जिसमें देशभर के 26 राज्यों के 200 से अधिक प्रमुख व्यापारिक नेताओं ने भाग लिया। इस बैठक में पाकिस्तान से सभी तरह का व्यापार बंद करने का फैसला लिया गया। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस दो दिवसीय बैठक में पारित सर्वसम्मत प्रस्ताव में सभी व्यापारी नेताओं ने एक स्वर से पहलगाम में आतंकी घटना की कड़ी निंदा करते हुए पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंधों का पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया है। इसके पहले वर्ष 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंधी में तल्खी आ गई थी, जिसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापार में भारी गिरावट आई थी।

इस्पात हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ : जी किशन रेड्डी

नई दिल्ली

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि इस्पात भारत की आर्थिक प्रगति की रीढ़ है। यह विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन का एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक है। कोयला गैसीकरण को एक विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है, इसे 2030 तक 100 मीट्रिक टन करने का लक्ष्य है। कैसे भारत बुनियादी ढांचे के विकास में नए वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में स्थित चिनाब ब्रिज, जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है, से लेकर तमिलनाडु में ऐतिहासिक पम्बन ब्रिज तक, यह सब इस्पात क्षेत्र की बढ़ती ताकत के कारण संभव हुआ है।

10 साल में गरीबी से बाहर आए 17 करोड़ लोग

नई दिल्ली

भारत ने 2011-12 और 2022-23 के बीच के दशक में 171 मिलियन लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है। ये जानकारी वर्ल्ड बैंक की गरीबी और समानता संक्षिप्त रिपोर्ट में सामने आई है। विश्व बैंक ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने गरीबी को काफी हद तक कम कर दिया है। इसमें कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत और शहरी 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत हो गई। अत्यधिक गरीबी (प्रतिदिन 2.15 अमेरिकी डॉलर से कम पर जीवन यापन) का आंकड़ा 2011-12 में 16.2 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 2.3 प्रतिशत हो गया, जिससे 171 मिलियन लोग इस रेखा से ऊपर आ गए।

बीमा संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली

केंद्र सरकार संसद के आगामी मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इस विधेयक का उद्देश्य बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करना है। बीमा में ये बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए होगी, जो भारत में पूरा प्रीमियम निवेश करती हैं। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को दी जानकारी में बताया कि सरकार बीमा संशोधन विधेयक को संसद के आगामी मानसून सत्र में पेश कर सकती है। प्रस्तावित विधयेक में बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट करते हुए।

उच्च गुणवत्ता के साथ तैयार हो गंगा एक्सप्रेसवेः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

हरदोई/शाहजहांपुर/हापुड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे का भ्रमण किया और यूपीडा व निर्माण में जुटी एजेंसियों को उच्च गुणवत्ता के साथ समयसीमा में एक्सप्रेसवे को तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने एक्सप्रेसवे पर ग्रुप-1 और ग्रुप-2 के तहत हो रहे निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष जताया, जबकि ग्रुप-3 और ग्रुप-4 के तहत चल रहे निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं एक्सप्रेसवे पर कार से यात्रा (राइड) की और क्वालिटी पर खुशी जताई। वहीं उन्होंने पहली बार एक्सप्रेसवे में उपयोग में लाई जा रही जर्मन तकनीक को भी विस्तार से समझा। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने कार्य कर रहे श्रमिकों से भी मुलाकात की और उनके साथ फोटो शूट भी कराया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने तीन जनपदों में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की प्रगति को देखा। सबसे पहले वह हरदोई के बिलग्राम तहसील स्थित ग्रुप-3 के 347+000 चैनेज पर गए, जबकि यहां से वह शाहजहांपुर के जलालाबाद स्थित बदायूं-हरदोई ग्रुप-2 पर 242 +650 चैनेज का भी भ्रमण किया। अंत में वह हापुड के गढ़मुक्तेश्वर तहसील के तहत मेरठ-बदायूं ग्रुप-1 पर स्थित 62+200 चैनेज पहुंचे और प्रगति का जायजा लिया। हरदोई जनपद के मल्लावां व माधोगंज विकास खण्ड में गंगा एक्सप्रेस वे का निरीक्षण करने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हसनपुर गोपाल के पास एक्सप्रेसवे के हेलीपैड पर उतरने के बाद कुछ दूर पैदल चलकर एक्सप्रेसवे को देखा। कार से करीब 5 किलोमीटर की दूरी भी तय की।

मुख्यमंत्री ने साइक्लोथॉन 2.0 को झंडी दिखाकर किया रवाना

हरियाणा की धरती जवान, पहलवान और किसान की धरतीः

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत और विकसित हरियाणा के सपने को साकार करने के लिए प्रदेश को नशा मुक्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। इसलिए ड्रग फ्री हरियाणा के अभियान में सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होकर हरियाणा के युवा को सशक्त और मजबूत बनाना है। उन्होंने संत समाज, खाप पंचायतों, सरपंचों और प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस महाअभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और नशा मुक्त हरियाणा बनाने की दिशा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के हर वर्ग का सहयोग नशे के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। सभी मिलकर एक मजबूत और स्वस्थ हरियाणा के निर्माण में सहभागी बनें। नायब सिंह सैनी सिरसा में ड्रग फ्री हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 के समापन अवसर पर साइकिल यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करने उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। साइक्लोथॉन आज शहीद भगत सिंह स्टेडियम के नजदीक से शुरू होकर सिरसा के अलग अलग इलाके में जायेगी और आज ओढ़ा में इसका समापन होगा। इससे पहले मुख्यमंत्री स्वयं साइकिल चलाकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे और नशा मुक्त हरियाणा का संदेश दिया।मुख्यमंत्री ने सरसाई नाथ जी, गुरु चिल्ला साहिब जी और तारा बाबा जी की धरा को प्रणाम करते हुए कहा कि आज साइक्लोथॉन के माध्यम से सिरसा में ऊर्जा, उत्सव आर एकता का जो अद्भुत संगम देखने को मिला है, यह नशे के खिलाफ सामूहिक लड़ाई का प्रतीक है।

भारत अब कृषि उत्पादों का बड़ा निर्यातकः उपराष्ट्रपति धनखड़

चेन्नई

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ इस समय दो दिवसीय तमिलनाडु के दौरे पर हैं। यहां रविवार को वे तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू) में एक व्याख्यान समारोह में शामिल हुए। इस दौरान धनखड़ ने कहा कि अब किसानों को सिर्फ उत्पादक होने से ऊपर उठना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय कृषि एजेंडे के लिए खाद्य सुरक्षा से किसान समृद्धि की ओर बढ़ने का समय आ गया है। इस कार्यक्रम में राज्यपाल आरएन रवि और टीएनएयू के अधिकारी मौजूद थे। भारत में 46 प्रतिशत आबादी कृषि से जुड़ी हुई है बावजूद इसके यह क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में केवल 16 प्रतिशत का योगदान देता है। कृषि वैज्ञानिक दिवंगत डॉ एम एस स्वामीनाथन की विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कृषि के क्षेत्र में भारत की स्थिति की बात करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत अब कृषि उत्पादों का बड़ा निर्यातक है। हमारे कुल निर्यात में कृषि खाद्य उत्पादों का हिस्सा 11 प्रतिशत से अधिक है। टीएनएयू में मौजूद लोगों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लेकिन अब आपको एक नया अध्याय लिखना होगा। अब समय बदल गया है। हमें खाद्य सुरक्षा से किसान समृद्धि की ओर बढ़ना चाहिए। किसान समृद्ध होना चाहिए और यह आपके जैसे संस्थानों से विकसित होना चाहिए।

पाक से तनाव के बीच इंडियन नेवी कर रही युद्धाभ्यास

नई दिल्ली

पहलगाम हमले के बाद भारत पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन की तैयारी में है। पाकिस्तान से इस तनातनी के बीच भारतीय नौसेना युद्धाभ्यास में जुटी है। रविवार को अधिकारियों ने बताया कि नौसेना ने लंबी दूरी के सटीक हमलों के लिए अपनी तत्परता को फिर से प्रमाणित करने के लिए जहाज-रोधी फायरिंग को अंजाम दिया। नौसेना की तरफ से ये फायरिंग अभ्यास भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच किया जा रहा है। इसके पहले आईएएस सूरत से हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। वहीं चर्चा इस बात की भी है कि पाकिस्तान भी एक नई मिसाइल का परीक्षण कर सकता है। भारतीय नौसेना के एक अधिकारी ने कहा, 'भारतीय नौसेना के जहाजों ने लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमले के लिए प्लेटफॉर्म, सिस्टम और चालक दल की तत्परता को फिर से प्रमाणित करने और प्रदर्शित करने के लिए कई जहाज-रोधी फायरिंग को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।'

परशुराम अधर्म के खिलाफ जंग के ध्वज वाहक हैंः नायब सिंह

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने भीतर छुपे हुए परशुराम जी को पहचानें। अपने अंदर के साहस, ज्ञान और सेवा के भाव को जागृत करें, क्योंकि विकसित भारत और विकसित हरियाणा बनाने के लिए ऐसे भाव और आदर्शों की आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से भी आह्वान किया कि हम सभी अपने जीवन में सत्य, निष्ठा और धर्म को अपनाएं तथा एक ऐसा भारत और हरियाणा बनाएं जो आत्मबल से समृद्ध और आत्मा से पवित्र हो। मुख्यमंत्री भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर जिला पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जन्मोत्सव कार्यक्रम में 31 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यसभा के सांसद कार्तिकेय शर्मा, सुरेंद्र नागर, रेखा शर्मा, कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा, पूर्व मंत्री विनोद शर्मा और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन न केवल हमारे लिए सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से एक विशेष पर्व है, बल्कि यह भारत की उस महान सनातन परंपरा का भी प्रतीक है, जो समय- समय पर अधर्म का नाश करके धर्म की पुनः स्थापना करती रही है। भगवान परशुराम जी अधर्म के खिलाफ इसी जंग के ध्वज वाहक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब हम विकसित भारत- विकसित हरियाणा बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं, तब भगवान परशुराम जी के आदर्श और उनके संदेश हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने जीवनभर अन्याय के विरुद्ध युद्ध किया। उन्होंने केवल समाज हित और धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र उठाए। हमारी सरकार भी भगवान परशुराम जी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान परशुराम जी ने शिक्षा के साथ साथ शस्त्र विद्या में भी राष्ट्र को समृद्ध किया है, उसी प्रकार आज हमें भी आधुनिक ज्ञान और तकनीक के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक शक्ति को भी सशक्त करना होगा।

ब्राह्मण समाज 36 बिरादरी को साथ लेकर चलने वाला समाजः डॉ अरविंद शर्मा

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज ने हमेशा समाज को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज 36 बिरादरी को साथ लेकर चलने वाला समाज है। ब्राह्मण समाज ने सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में अनेक कल्याणकारी कार्य किए, जिनमें समाज के प्रबुद्धजनों ने अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा कि समाज को हमेशा गरीब कल्याण की सोच को आगे रखते हुए समाज के विकास और मजबूती के लिए कार्य करना है। राज्यसभा सांसद और कार्यक्रम के आयोजक श्री कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी नॉन- स्टॉप मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री आवास के दरवाजे प्रदेश के लोगों की भलाई के लिए दिन-रात खुले रहते है।

पाकिस्तान में वायरल सिद्धारमैया के बयान पर भाजपा का हमला

एजेंसी
बेंगलुरू। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम पर्यटन स्थल पर हुए आतंकवादी हमले और भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न होने के मद्देनजर हाल ही में मैसूर में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का दिया गया एक बयान पाकिस्तान में वायरल हो रहा है। वहां का टीवी मीडिया सिद्धारमैया के बयान को बार-बार प्रसारित कर रहा है और इसे इस तरह से पेश कर रहा है, जैसे पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के मुद्दे पर भारत में आंतरिक असंतोष भड़क उठा है। इस वीडियो में सिद्धारमैया के बयान को लेकर भाजपा ने उन पर हमला किया। एक निजी पाकिस्तानी समाचार चैनल पर प्रसारित समाचार में कहा गया है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार पाकिस्तान पर युद्ध छेड़ने के लिए तैयार है। हालांकि, केन्द्र सरकार के इस निर्णय से भारत में असंतोष व्याप्त है। वीडियो में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कहते दिख रहे कि पहलगाम की घटना के मद्देनजर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोई जरूरत नहीं है। पहलगाम की घटना सुरक्षा विफलता का परिणाम थी। केन्द्र सरकार, जो पहले ही इसे स्वीकार कर चुकी है।सिद्धारमैया कहते दिख रहे हैं कि वह इस मामले में पाकिस्तान को शिकार बनाने जा रही है। इस वीडियो को लेकर भाजपा नेता आर. अशोक ने पाकिस्तानी मीडिया में प्रसारित मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के इस बयान का हवाला देते हुए सोशल मीडिया पर सिद्धारमैया पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने सिद्धारमैया

को रत्न देने की गारंटी दी है। अशोक ने कहा कि पाकिस्तान रत्न मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, आप अपने बचकाने, बेतुके बयानों से रातोंरात पाकिस्तान में विश्व प्रसिद्ध हो गए हैं। अशोक ने चुटकी लेते हुए कहा, आपको बधाई। यदि आप पाकिस्तान जाएं तो पाकिस्तानी सरकार आपको शाही आतिथ्य देगी। अशोक ने कहा कि उन्हें इस बात पर आश्चर्य नहीं हुआ कि पाकिस्तान सरकार ने उन्हें पाकिस्तान के लिए वकालत करने वाले एक महान शांति दूत के रूप में अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार निशान-ए-पाकिस्तान से सम्मानित किया। अशोक ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि हमारे देश की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि आप जैसे लोग एक दुश्मन देश की कठपुतली की तरह व्यवहार कर रहे हैं, जबकि देश बहुत संवेदनशील स्थिति का सामना कर रहा है और सीमा पर युद्ध का खतरा मंडरा रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने भी सिद्धारमैया पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रति आपकी सहानुभूति का बयान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ आपकी नफरत भरी बातें। क्या आपको लगता है कि लोगों के मन में आप देशभक्त हैं? इससे संदेह पैदा होता है कि वह पाकिस्तानी मानसिकता के प्रवक्ता हैं। विजयेंद्र ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि पाकिस्तान में आपके बयानों के आधार पर वहां के समाचार चैनल जिस तरह से आपका महिमामंडन कर रहे हैं, उससे लोग समझ रहे हैं कि आपका एजेंडा क्या है।

मुख्यमंत्री सैनी ने जिला सिरसा में 61 करोड़ 33 लाख रुपये की विकास कार्यों का किया लोकार्पण

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला सिरसा को लगभग 61 करोड़ 33 लाख रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के साथ ही चार अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के दो प्रोजेक्ट, चौ.

देवीलाल विश्वविद्यालय तथा लोक निर्माण विभाग के एक-एक प्रोजेक्ट का लोकार्पण किया। उन्होंने कालांवाली विधानसभा क्षेत्र में 994.54 लाख की लागत से गुढ़ा डिस्ट्रीब्यूटरी का जीर्णोद्धार तथा डबवाली विधानसभा क्षेत्र में 609 लाख रुपए की लागत से डबवाली डिस्ट्रीब्यूटरी के नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 2051.13 लाख रुपए की लागत से चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में बने नए शिक्षण ब्लॉक नंबर 5 का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने 2478.22 लाख रुपये की लागत के निर्मित आधुनिक पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस भवन का भी लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जनसमस्याएं सुनी और अधिकारियों को यथाशीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इस मौके पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई, मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सलाहकार जगदीश चोपड़ा, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक मक्खन लाल सिंगला, पूर्व विधायक गोपाल कांडा सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री का उद्बोधन 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की देता है प्रेरणा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 121वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपने मुंबई प्रवास के दौरान मुंबई एयरपोर्ट पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। अपने संबोधन में मोदी ने कश्मीर के

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, मगर देश के दुश्मनों को ये शांति और समृद्धि रास नहीं आई। मोदी ने विश्वास दिलाया कि पीड़ित परिवारों को न्याय मिलेगा तथा हमले के दोषियों और साजिशकर्ताओं को कठोरतम जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन पर श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने आर्यभट्ट उपग्रह के प्रक्षेपण के 50 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए कहा कि अंतरिक्ष में भारत के सपनों की उड़ान एक समय केवल हौसलों से शुरू हुई थी, मगर आज देश एक ग्लोबल स्पेस पॉवर बन चुका है। हमने एक साथ 104 सैटेलाइट्स लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है तथा चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बना है।

अनुराग ठाकुर का पाकिस्तान पर जुबानी हमला, गीदड़ भभकियों से कुछ नहीं होगा

मंडी। भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गीदड़ भभकियों से कुछ नहीं होगा।भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के भारत द्वारा सिंधु जल समझौता स्थगित करने पर आए भड़काऊ बयान पर कहा कि पाकिस्तान की गीदड़ भभकियों से कुछ होने वाला नहीं है। भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाने के लिए तैयार है। अनुराग ठाकुर ने कहा, पहलगाम में हुए हमले के खिलाफ भारत सरकार ने कड़ा निर्णय लिया है। इस मामले में और भी कड़े निर्णय लिए जाएंगे। भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देकर निर्दोष लोगों की जान लेने के बाद इस बेशर्मी से बयान देने से पाकिस्तान की जमीन से ही आतंकवाद को बढ़ावा देना प्रतीत होता है। उन्होंने कहा, आतंकवाद को पनपने और पालने-पोसने का काम पाकिस्तान द्वारा किया जाना आज किसी से छुपा नहीं है।

देश के प्रति दुनिया का नजरिया बदल रहे युवा, विश्व में हो रही भारतीय टैलेंट की तारीफ : पीएम मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि युवा देश के प्रति दुनिया का नजरिया बदलने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही, पूरे विश्व में भारतीय टैलेंट की तारीफ हो रही है। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, 'किसी भी देश का भविष्य कैसा होगा, यह उस देश के युवा की रुचि और सोच पर निर्भर करता है। आज भारत का युवा साइंस, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन की ओर बढ़ रहा है। इन युवाओं ने भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदल दिया है। उन्होंने आगे कहा कि वह इलाके जिनकी पहचान पहले पिछड़ेपन और अन्य कारणों से होती थी, वहां भी युवाओं ने ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जो हमें नया विश्वास देते हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'कभी केवल हिंसा और अशांति के लिए जाना जाने वाले छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा का विज्ञान केंद्र इसका एक बड़ा उदाहरण है, जो अब बच्चों और उनके माता-पिता के लिए उम्मीद की नई किरण बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि यहां युवा नई टेक्नोलॉजी के बारे में जान रहे हैं और उनसे जुड़े प्रोडक्ट्स बना रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'यह केंद्र जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ावा देता है और छात्रों को रोबोटिक्स, 3डी प्रिंटिंग और इंजीनियरिंग को जानने में मदद करता है।'मन की बात कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मैंने कुछ समय पहले गुजरात साइंस सिटी में साइंस गैलरी का उद्घाटन किया था।

उन्होंने आगे कहा, 'ये गैलरी साइंस की क्षमता की एक झलक प्रदान करती हैं और बताती हैं कि साइंस हमारे लिए कितना कुछ कर सकती है। मुझे बताया गया है कि वहां के बच्चे इस केंद्र को लेकर बहुत उत्साहित हैं। विज्ञान और इनोवेशन के प्रति यह बढ़ता आकर्षण निश्चित रूप से भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।'

● मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़ने का आह्वान किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धरती की सेहत को ठीक रखने के लिए देशवासियों से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से जुड़कर सभी से एक एक पेड़ लगाने का आह्वान किया। श्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में आज कहा, 'हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत, हमारे 140 करोड़ नागरिक हैं, उनका सामर्थ्य है, उनकी इच्छा शक्ति है। जब करोड़ों लोग, एक-साथ किसी अभियान से जुड़ जाते हैं, तो उसका प्रभाव बहुत बड़ा होता है। इसका एक उदाहरण है 'एक पेड़ माँ के नाम' - ये अभियान उस माँ के नाम है, जिसने हमें जन्म दिया और ये उस धरती माँ के लिए भी है, जो हमें अपनी गोद में धारण किए रहती है।÷ उन्होंने कहा कि पांच जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर इस अभियान के एक साल पूरे हो रहे हैं। इस एक साल में इस अभियान के तहत देश-भर में माँ के नाम पर 140 करोड़ से ज्यादा पेड़ लगाए गए हैं। भारत की इस पहल को देखते हुए, देश के बाहर भी लोगों ने अपनी माँ के नाम पर पेड़ लगाए हैं। आप भी इस अभियान का हिस्सा बनें, ताकि एक साल पूरा होने पर, अपनी भागीदारी पर आप गर्व कर सकें। प्रधानमंत्री ने कहा, 'पेड़ों से शीतलता मिलती है, पेड़ों की छाँव में गर्मी से राहत मिलती है, ये हम सब जानते हैं, लेकिन बीते दिनों मैंने इसी से जुड़ी एक और ऐसी खबर देखी, जिसने मेरा ध्यान खींचा। गुजरात के अहमदाबाद शहर में पिछले कुछ वर्षों में 70 लाख से ज्यादा पेड़ लगाए गए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले की जांच एनआईए के हवाले, साक्ष्य जुटाने में जुटी टीमें

•एनआईए की टीमें आतंकियों के हमले के तरीके और उनके भागने के रास्तों का पता लगाने के लिए इलाके की बारीकी से जांच कर रही हैं।

एजेंसी
नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अपने हाथ में ले ली है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश के बाद एनआईए ने इस मामले में औपचारिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पहलगाम में मंगलवार को हुए इस आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। एनआईए की टीम बुधवार से ही पहलगाम में घटनास्थल पर मौजूद है और साक्ष्य जुटाने में जुटी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एनआईए की

टीमें आतंकियों के हमले के तरीके और उनके भागने के रास्तों का पता लगाने के लिए इलाके की बारीकी से जांच कर रही हैं। बैसरन घाटी में हुए इस हमले को कश्मीर के सबसे भयानक आतंकी हमलों में से एक माना जा रहा है। एनआईए की टीमें उन चश्मदीदों से पूछताछ कर रही हैं, जिन्होंने इस खौफनाक मंजर को अपनी आंखों से देखा। एनआईए के एक आईजी, एक डीआईजी और एक एसपी की निगरानी में जांच चल रही है। ये टीमें आतंकियों के प्रवेश और निकास बिंदुओं की जांच कर रही हैं ताकि यह समझा जा सके कि हमलावर कैसे आए और कहां से भागे। फोरेंसिक विशेषज्ञों और अन्य जांच एजेंसियों की मदद से घटनास्थल की गहन छानबीन की जा रही है। इसका मकसद इस आतंकी साजिश का पर्दाफाश करना है, जिसने इतनी बड़ी त्रासदी को अंजाम दिया। इससे पहले केंद्र सरकार पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश जारी कर दिया था।

पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार का एक और सख्त फैसला

पाकिस्तानी हिंदुओं की चारधाम यात्रा पर रोक

• यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाएं 2 मई से शुरू होंगी, जब धाम के कपाट खुलेंगे।

एजेंसी
देहरादून। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तानी नागरिकों की चारधाम यात्रा पर रोक लगा दी है। सरकार के इस फैसले के बाद चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके 77 पाकिस्तानी हिंदू श्रद्धालु अब यात्रा नहीं कर पाएंगे। चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक कुल 21 लाख से अधिक लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। यात्रा में भाग लेने के लिए विदेशों से भी 24,729 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। खास बात यह है कि इस यात्रा में शामिल होने के लिए पाकिस्तान से भी 77 श्रद्धालुओं ने अपना नाम दर्ज

कराया था। दरअसल, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार सख्त है। इस हमले के बाद केंद्र सरकार ने त्वरित फैसला लेते हुए पाकिस्तानी श्रद्धालुओं को यात्रा की अनुमति नहीं देने का निर्णय लिया। सुरक्षा कारणों से एहतियात के तौर पर यह निर्णय लिया गया है। इस वर्ष 100 से अधिक देशों के लोगों ने यात्रा में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है। पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी को लेकर प्रशासन ने आवश्यक कदम उठा उन्हें सुरक्षित तरीके से देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं, अन्य विदेशी श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। बता दें कि 30 अप्रैल से उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की शुरुआत होने जा रही है। यात्रा को लेकर प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। हर साल की तरह इस बार भी बाबा केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाएं 2 मई से शुरू होंगी, जब धाम के कपाट खुलेंगे।

देश और सैनिकों की सुरक्षा से कोई भी समझौता माफी के योग्य नहीं : अखिलेश यादव

'टेररिस्ट जो हैं, उनको बख्शा नहीं जाना चाहिए'

एजेंसी
लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि देश और सैनिकों की सुरक्षा से कोई भी समझौता माफ़ी के योग्य नहीं है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से स्पेशल ऑपरेशन्स की लाइव कवरेज की अनुमति क्या एक रणनीतिक लापरवाही थी या फिर ये राजनीतिक प्रचार से प्रेरित थी, ये बात सरकार तत्काल स्पष्ट करे। कल को फिर से सरकार ये कहेगी कि 'एक चूक के बाद ये दूसरी चूक' हो गई। उन्होंने आगे लिखा कि इसका मतलब साफ

है कि सुरक्षा जैसे अति संवेदनशील क्षेत्र में मीडिया का अवांछित अतिक्रमण है। लाइव कवरेज तो दुश्मन भी देखेंगे जिससे हमारे सुरक्षा बलों की लोकेशन उनको पता चल जाएगी और रणनीति भी, इससे देश की सुरक्षा और हमारे जवानों की जान भी खतरे में डाल दी जाएगी। इस तरह की लाइव कवरेज के लिए सख्त दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। देश और सैनिकों की सुरक्षा से कोई भी समझौता माफ़ी के योग्य नहीं है। इसके पहले उन्होंने एक जनसभा में कहा था कि इतनी बहादुर फौज दुनिया में किसी के पास नहीं जितनी भारत के पास है। इतनी कठिन परिस्थितियों में सीमा की सुरक्षा करते हैं, शायद दुनिया में ऐसे बॉर्डर नहीं होंगे। 'टेररिस्ट जो हैं, उनको बख्शा नहीं जाना चाहिए और जो टेररिस्ट का साथ दे रहे हैं, उनके खिलाफ और ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। सपा मुखिया ने कहा कि हमें उम्मीद है ठोस कार्रवाई होगी, जिससे जो भारत के दुश्मन हैं, जो मानवता के दुश्मन हैं, जो हमारे देश के भाईचारे को खराब करना चाहते हैं, ऐसी ताकतों का हमेशा के लिए सफाया किया जाए। ज्ञात हो कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते दिनों आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की मौत के घाट उतार दिया। सेना की वर्दी में आए दहशतगर्दों ने पहलगाम की बैसरन घाटी में पर्यटकों से पहले उनका धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर गोली मार दी।

उड़ी क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना ने की फायरिंग, भारतीय सेना ने भी दिया जवाब

एजेंसी
कुपवाड़ा। पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए रात नियंत्रण रेखा के पार कुपवाड़ा जिले के उड़ी में तुतमारी गली और रामपुर सेक्टर के विपरीत इलाकों में छोटे हथियारों से गोलीबारी की। इसका भारतीय सेना ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया। एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि 26-27 अप्रैल की रात को पाकिस्तान सेना की चौकियों ने नियंत्रण रेखा के पार तुतमारी गली और रामपुर सेक्टर के विपरीत इलाकों में बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की है। उन्होंने

कहा कि हमारे सैनिकों ने भी उचित छोटे हथियारों से गोलीबारी करके प्रभावी ढंग से जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय बलों की त्वरित प्रतिक्रिया के बाद प्रभावित सेक्टरों में स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि भारतीय पक्ष में किसी तरह के नुकसान या हताहत की खबर नहीं है।

बाढ़ से बचाव की तैयारियों को 10 जून तक कर लिया जाए पूरा: सीएम योगी

एजेंसी
लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुधवा टाइगर रिजर्व में समीक्षा बैठक की। उन्होंने यहां वन विभाग व पर्यटन विभाग के प्रजेंटेशन को देखा। फिर जनपद के विकास कार्यों को लेकर जिलाधिकारी से जानकारी ली। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुधवा टाइगर रिजर्व के पार्क में मौलिश्री का पौधा रोपा, फिर यहां लगे स्टॉल का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री का थारू महिलाओं ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में स्थानीय, वन व पर्यटन के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

जनप्रतिनिधियों के समन्वय से योजनाएं तैयार कराई जाए

मुख्यमंत्री ने बाढ़ से बचाव को लेकर चलाई जा रही तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि 10 से 12 जून तक इससे जुड़ी परियोजनाएं पूरी कर ली जाएं। साथ

ही पर्यवेक्षण के लिए नोडल अधिकारी की तैनाती कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देश दिया कि जनपद के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों के समन्वय से योजनाएं तैयार कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने जनपद के विकास और कानून व्यवस्था को लेकर भी जानकारी ली। सीएम ने वन विभाग के प्रजेंटेशन को देखने के बाद कहा कि पर्यटन विकास को बढ़ाने का निर्देश दिया और दुधवा में आने वाले पर्यटकों की वर्षवार संख्या पूछी। मुख्यमंत्री ने पर्यटन के अधिकारियों का भी प्रेजेंटेशन देखा और कनेक्टिविटी, होटल, गाइड के रूप में स्थानीय लोगों को जोड़ने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुधवा टाइगर रिजर्व को ईको टूरिज्म के केंद्र के रूप में कैसे विकसित करें, वन-पर्यटन मिलकर 15 दिन में यह प्लानिंग तय करे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पर्यटन विकास हो। यहां पर्यटकों के लिए बेहतरीन सुविधा दी जाए।

गौतम गंभीर को धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एवं पूर्व सांसद गौतम गंभीर को धमकी भरे ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान गुजरात के रहने वाले 21 वर्षीय जिग्नेश सिंह परमार के रूप में की गई है। मध्य जिला पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और उससे विस्तृत पूछताछ की जा रही है। जिग्नेश एक इंजीनियरिंग का छात्र है और उसके परिवार ने दावा किया है कि वह मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित है। इस मामले की गहनता से जांच जारी है, जिसमें पुलिस उसकी मानसिक स्थिति और धमकी देने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। डीसीपी एम हर्षवर्धन ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है और सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले गौतम गंभीर को ईमेल के ज़रिए आईएसआईएस कश्मीर' ने धमकी दी थी। उन्हें एक ही दिन में दो मेल किए गए थे। मेल में 'IKill' लिखा हुआ था। धमकी मिलने के बाद गंभीर ने दिल्ली पुलिस को सूचना दी थी।

जयशंकर ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फरहान से की पहलगाम हमले पर चर्चा

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान से जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और इसके तार पाकिस्तान से जुड़े होने को लेकर बातचीत की।डॉ. जयशंकर ने 'एक्स' पर लिखा कि सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान के साथ टेलीफोन पर बातचीत हुई। पहलगाम आतंकवादी हमले और इसके तार सीमा पार से जुड़े होने पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकवादी हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय नागरिक मारा गया था।भारत ने अगले ही दिन इस जघन्य आतंकवादी हमले में पाकिस्तानी तत्वों की भूमिका को देखते हुए पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि पर रोक लगाने, अटारी वाघा एकीकृत सीमा जांच चौकी बंद करने, पाकिस्तानी नागरिकों के भारत में प्रवेश पर रोक लगाने और उच्चायोगों में सैन्य सलाहकारों को हटाने का फैसला लिया है।

अपनी नाकामी को छिपाने के लिए जनता पर ठीकरा फोड़ना बंद करे सरकार : दानिश अली

नयी दिल्ली। कांग्रेस के नेता कुंवर दानिश अली ने पहलगाम हमले पर सरकार को घेरते हुए कहा कि अपनी नाकामी को छिपाने के लिए जनता पर ठीकरा नहीं फोड़ना चाहिए और स्वीकार करना चाहिए कि जो जिम्मेदारी उनकी थी उसे वह निभा नहीं पाए। पूर्व सांसद दानिश अली ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के मीडिया को दिए एक बयान का वीडियो साझा करते हुए एक्स पर कहा, ÷सरकार ने सर्वदलीय बैठक में अपनी नाकामी को स्वीकार किया है। देशभक्ति ? आपकी निकम्मी गवर्नेंस फेल है जो आपको करनी नहीं आती। आपके नेता कश्मीर में कड़ी सुरक्षा के बीच घूमने लगा रहे थे। अपनी नाकामी का ठीकरा जनता पर मत फोड़िये। ये आपकी जिम्मेदारी थी जो आप निभा नहीं पाए। उन्होंने जो वीडियो साझा किया है उसमें श्री गोयल पत्रकारों से कह रहे हैं कि जब तक 140 करोड़ देशवासी देशभक्ति और राष्ट्रवाद को अपना परम धर्म मानते नहीं हैं तब तक इस प्रकार की घटनाएँ देश को परेशान करती रहेंगी।

दिल्ली सरकार का बड़ा ऐलान, इस दिन तक राजधानी छोड़ दें पाकिस्तानी नागरिक

दिल्ली। पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेजने के लिए केंद्र के फैसले का असर दिखना शुरू हो गया है। दिल्ली सरकार ने उन पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वापस जाने की अंतिम तिथि 26 से 29 अप्रैल तक निर्धारित की, जिनके वीजा निलंबित कर दिए गए हैं।दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे दिल्ली में रह रहे अवैध पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने में मदद करें और तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन को भी सूचित करें। उन्होंने बताया कि यह निर्णय भारत सरकार के पाकिस्तानी नागरिकों की वीजा सेवाएं निलंबित करने के आदेश के तहत लिया गया है। दीर्घकालिक वीजा और राजनयिक एवं आधिकारिक वीजा को छोड़कर, सभी अन्य वीजा तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए गए हैं। मंत्री आशीष सूद ने कहा, देशहित के इस कार्य में हर नागरिक का सहयोग आवश्यक है। यदि किसी को किसी संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिक के अवैध रूप से रहने की जानकारी मिले, तो वे तुरंत निकटतम पुलिस थाने में सूचना दें। दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया कि अवैध प्रवास को लेकर वह पूरी तरह सतर्क है। गृह विभाग ने पहले ही दिल्ली पुलिस को निर्देश दिए हैं कि वे अवैध पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और संबंधित एजेंसियों के समन्वय से निष्कासन की प्रक्रिया तेजी से पूरी करें। भारत सरकार के निर्देश के अनुसार, अब किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को नया वीजा जारी नहीं किया जाएगा। दिल्ली सरकार ने नागरिकों से सजग और जिम्मेदार भूमिका निभाने का आग्रह किया है ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा सके। उल्लेखनीय है कि देश के कोने-कोने से पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की खबर आ रही है। पुलिस-प्रशासन ऐसे लोगों की पहचान में जुट गया है।

पहलगाम हमले पर मोदी का रवैया उचित नहीं : खरगे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी हमले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रवैया उचित नहीं है और उन्होंने इस मुद्दे पर जब सर्वदलीय बैठक बुलाई तो चुनावी भाषण देने जाने की बजाय उन्हें खुद बैठक में शामिल रहकर स्थिति की सच्चाई से देश को अवगत कराना चाहिए था।श्री खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस रवैये से स्पष्ट है कि वह इस हमले को लेकर गंभीर नहीं थे। वह इस बैठक में न खुद शामिल हुए और ना उन्होंने देश को बताया कि यह सुरक्षा में चूक थी, खुफिया तंत्र की विफलता थी या कोई और वजह थी जिसके कारण इतनी भीषण वारदात पहलगाम में हुई है। उनका कहना था कि खुद प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर देश को स्पष्टीकरण देना चाहिए था। श्री खरगे ने कहा श्री मोदी ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी और सभी दलों के नेता

उसमें शामिल हुए। बैठक में संसद की दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी मौजूद थे। जब भी सरकार इस तरह की बैठक बुलाती है तो सरकार के प्रमुख प्रतिनिधि प्रधानमंत्री को बैठक में शामिल होना चाहिए। इस बैठक में प्रधानमंत्री का गैर मौजूद रहना उचित नहीं था। इतनी गंभीर घटना हुई जिसमें जरीब 26 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा ÷प्रधानमंत्री का रवैया ठीक नहीं है। वे चुनावी भाषण देने बिहार गए, लेकिन दिल्ली नहीं आ सके। इससे पता चलता है कि वे मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। उन्हें कहीं अन्यत्र अंग्रेजी और हिंदी में भाषण देने के बजाय यहां आकर इस बारे में उचित स्पष्टीकरण देना चाहिए था कि आखिर हुआ क्या और ऐसा क्यों हुआ। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। क्या यह सुरक्षा चूक थी, खुफिया चूक थी, आईबी की चूक थी, तंत्र की विफलता थी या पुलिस की विफलता थी। हमें यह बताया जाना चाहिए कि यह किसकी विफलता थी लेकिन वे आए ही नहीं। नतीजतन, बैठक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में आयोजित की गई। श्री खरगे ने कहा ÷केंद्र सरकार ने खुद माना है कि यह सुरक्षा में चूक थी। इसीलिए बैठक बुलाई गई, गृहमंत्री अमित शाह ने यह बात कही और हमने श्री शाह से कहा कि इसे चुनौती के रूप में लिया जाना चाहिए। सब कुछ ठीक से व्यवस्थित होना चाहिए था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उचित व्यवस्था नहीं की गई और स्थिति इस तरह से बन गई। उस समय श्री शाह ने हमें आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होंगी। तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद सरकार इतने लोगों की सुरक्षा करने में असमर्थ थी। फिर भी, राष्ट्र और इसकी एकता के दृष्टिकोण से, हमने उन्हें देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आने के लिए कहा। हमने यह भी बताया कि हम सरकार के फैसले का समर्थन करते हैं।

अन्नपूर्णा देवी ने चयनित युवाओं को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने आयोजित रोजगार मेले में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। विज्ञान भवन में आयोजित रोजगार मेले में कई युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए।

अन्नपूर्णा देवी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले में 51,000 से अधिक चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। दिल्ली में इस आयोजन में भाग लिया और युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि यह मेला सिर्फ नियुक्ति नहीं, नए भारत की नई उम्मीदों का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार युवाओं को अवसर देने और आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

रक्षा अभियान, बलों की आवाजाही का सीधा प्रसारण, तत्क्षण रिपोर्ट न देने की मीडिया को सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मीडिया चैनलों को राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही का सीधा प्रसारण न करने की सलाह दी है और कहा है कि अभियानों के मामले में खबर देते समय अभियान पूरा होने और आधिकारिक ब्रीफिंग के आधार पर ही रिपोर्ट दी जाए। मंत्रालय ने सभी मीडिया प्लेटफार्मों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया का उपयोग करने वालों को इस विषय में वर्तमान सभी नियम कानूनों का कड़ाई से अनुपालन करने को कहा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में भारत के निर्दोष नागरिकों पर पाकिस्तान प्रायोजित बर्बर आतंकवादी हमले के बाद मंत्रालय ने जारी इस आशय के परामर्श में कहा है, राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अत्यंत जिम्मेदारी के साथ काम करें और रक्षा एवं अन्य सुरक्षा से संबंधित अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय मौजूदा कानूनों और नियमों का सख्ती से पालन करें।÷

परामर्श में मीडिया मंचों से यह विशेष ध्यान रखने को कहा गया है कि ÷ रक्षा अभियानों या बलों की गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार का (तत्काल) रियल-टाइम (तत्क्षण) कवरेज, लाइव प्रसारण, या 'सूत्रों पर आधारित'जानकारी का प्रकाशन नहीं किया जाना चाहिए। बयान में कहा गया है कि संवेदनशील जानकारी का समय से पहले खुलासा करने से शत्रुतापूर्ण तत्वों को मदद मिल सकती है और इससे अभियानों की प्रभावशीलता और सुरक्षा बलों के कर्मियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

इसी संदर्भ में कहा गया है कि कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले (26/11), और कंधार अपहरण जैसी घटनाओं के दौरान, अनियंत्रित कवरेज का राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। मंत्रालय ने सलाह दी है कि मीडिया कवरेज को सरकार द्वारा नामित अधिकारी द्वारा समय-समय पर की गई ब्रीफिंग तक सीमित किया जा सकता है, जब तक कि अभियान समाप्त न हो जाए।

मंत्रालय ने कहा , मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और पर्सनल यूजर राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कानूनी दायित्वों के अलावा, यह हमारी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी भी है कि हम अपनी कार्रवाइयों से जारी अभियानों या सुरक्षा बलों की सुरक्षा से समझौता न करें।

बदला दिल्ली के मौसम का मिजाज, तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। बादल छाए रहने के साथ-साथ तेज हवाएं भी चलीं, जिसके कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी गतिविधियों के कारण हुआ। मौसम विभाग ने हल्की बारिश की भी संभावना जताई है। दिल्ली का अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी दिल्ली में बादल छाए रहेंगे। इससे दिल्ली वालों को लू के थपेड़ों से राहत मिलेगी। तापमान में भी मामूली कमी देखी जा सकती है। इस दौरान 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से तेज हवाएं चल सकती हैं। कभी-कभी हवा की स्पीड 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक देखी जा सकती है। दिन का अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

जबकि न्यूनतम तापमान 22 से 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किया जा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 28 अप्रैल यानी सोमवार को दिल्ली में हवा तेज गति से नहीं चलेगी। 29 अप्रैल से लेकर 2 मई तक दिल्ली में तेज हवाएं चलने का अनुमान है। 29 अप्रैल को हवा की स्पीड 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक देखी जा सकती है। दिल्ली में 30 अप्रैल से लेकर 2 मई तक आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के अनुसार 27 अप्रैल तक पूर्वोत्तर भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। 26 से 29 अप्रैल तक पूर्वी और आसपास के मध्य भारत में गरज, बिजली, ओलावृष्टि, तेज हवाओं के साथ बारिश का एक नया दौर आने की संभावना है।

सफदरजंग अस्पताल ने रोबोटिक सर्जरी में हासिल की बड़ी उपलब्धि, महिला के शरीर से निकाला दुनिया का अबतक का सबसे बड़ा एड्रेनल ट्यूमर

एजेंसी

नई दिल्ल्सी। सफदरजंग अस्पताल ने अपने रोबोटिक सर्जरी कार्यक्रम में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल में 36 वर्षीय महिला की जटिल रोबोटिक सर्जरी कर विशाल एड्रेनल ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाला गया। सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संदीप बंसल ने बताया कि 18.2 × 13.5 सेमी का यह एड्रेनल ट्यूमर दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा एड्रेनल ट्यूमर है, जिसे रोबोट द्वारा निकाला गया। डॉ. बंसल ने कहा कि यह उपलब्धि रोबोटिक सर्जरी में सफ़दरजंग अस्पताल की विशेषज्ञता और सभी रोगियों को निःशुल्क अत्याधुनिक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए समर्पित है। इस तरह की जटिल रोबोटिक सर्जरी सफ़दरजंग अस्पताल में निःशुल्क की जाती है, निजी क्षेत्र में इसकी

लागत लाख रुपये से अधिक होती है। रोबोटिक सर्जरी करने वाली टीम के प्रमुख यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट विभाग के प्रोफेसर डॉ. पवन वासुदेवा थे और उनके साथ टीम में डॉ. नीरज कुमार और डॉ. अविषेक मंडल शामिल थे। इसके साथ एनेस्थीसिया टीम में डॉ. सुशील, डॉ. भव्या और डॉ. मेघा शामिल थीं। रीनल ट्रांसप्लांट विभाग के प्रोफेसर और सर्जरी टीम के प्रमुख डॉ. पवन वासुदेवा ने बताया कि यह प्रक्रिया काफी जटिल और जोखिम से भरी हुई थी क्योंकि ट्यूमर न केवल बहुत बड़ा हो गया था बल्कि शरीर की तीन महत्वपूर्ण संरचनाओं यानी इंफीरियर वेना कावा, लिवर और राइट किडनी पर भी खतरनाक तरीके से चिपक गया था। यह जरूरी था कि ट्यूमर को आसपास की महत्वपूर्ण संरचनाओं को नुकसान पहुंचाए बिना पूरी तरह से हटाया जाए। डॉ. वासुदेवा ने कहा कि दा विंची रोबोट के 3डी विजन और इसके निपुण रोबोटिक हाथों से जटिल सर्जरी को आमतौर पर लेप्रोस्कोपी से संभव होने वाली तुलना में अधिक सटीकता के साथ की जा सकती है।

इस मामले में, सर्जरी तीन घंटे से अधिक समय तक चली और ट्यूमर को बिना किसी जटिलता के पूरी तरह से हटाया जा सका। ऑपरेशन के बाद स्थिति में सुधार हुआ और मरीज को तीन दिन में छुट्टी दे दी गई। डॉ. वासुदेव ने बताया कि अगर यह सर्जरी खुले रास्ते से की जाती, तो इसके लिए 20 सेंटीमीटर से ज़्यादा त्वचा चीरा लगाना पड़ता और उसके बाद पूरी तरह ठीक होने में कुछ हफ़्ते लगते।

कैलाश मानसरोवर यात्राः वेबसाइट के जरिए आवेदन, जून से अगस्त तक 750 लोग कर सकेंगे तीर्थ यात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। कैलाश मानसरोवर यात्रा 2025 का आयोजन जून से अगस्त के बीच किया जाएगा। यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया वेबसाइट (kmy.gov.in) पर शुरू कर दी गई है। विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित इस पवित्र तीर्थ यात्रा में इस वर्ष कुल 15 बैच भेजे जाएंगे। इनमें से 5 बैच उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से और 10 बैच सिक्किम के नाथू ला दर्रे से यात्रा करेंगे। हर बैच में 50 यात्री शामिल होंगे । यानी इस वर्ष 750 यात्री कैलाश मानसरोवर की यात्रा कर सकेंगे। विदेश मंत्रालय ने आज इस संबंध में वक्तव्य जारी कर कहा कि यात्रियों

का चयन एक निष्पक्ष, कम्प्यूटर जनित और महिला-पुरुष संतुलन प्रक्रिया से किया जाएगा। यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और डिजिटल है। 2015 से ही यह प्रणाली पूरी तरह से कम्प्यूटराइज्ड हो गई है। अब इच्छुक यात्रियों को आवेदन या जानकारी के लिए पत्र या फैक्स भेजने की आवश्यकता नहीं है। मंत्रालय का कहना है कि यात्रा से जुड़ी किसी भी जानकारी, सुझाव या प्रतिक्रिया के लिए वेबसाइट पर ही विकल्प उपलब्ध हैं। मंत्रालय ने यात्रियों से आग्रह किया है कि वे वेबसाइट का ही उपयोग करें।

दलित हित के नाम पर समाज में वैमनस्य फैलाने वालों को पहचानिए : गुरुप्रकाश पासवान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में वर्तमान समय में दलित हित के नाम पर कुछ तत्व समाज में वैमनस्य फैलाने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे तत्वों के एजेंडे को समय रहते पहचानना आवश्यक है। भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता, लेखक और कानून के विशेषज्ञ गुरुप्रकाश पासवान ने यह बातें पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में कही। लेखक एवं वकील रोहन बाबा साहेब जमादार (मालवदकर) की मराठी पुस्तक '1 जनवरी 1818 कोरेगांव भीमा लड़ाई की वास्तविकता' के हिंदी और अंग्रेजी संस्कार का शनिवार यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान और प्रोफेसर उमेश कदम ने विमोचन किया गया। पुस्तक को 'भूमिका प्रकाशन' द्वारा प्रकाशित किया गया।इस मौके पर गुरुप्रकाश पासवान ने कहा कि प्रमाणों के साथ बोलना और लिखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेखक मालवदकर ने अपनी पुस्तक में उपलब्ध प्रमाणों का विस्तृत उल्लेख किया है। वर्तमान सोशल मीडिया के युग में तथ्यों और संदर्भों का विशेष महत्व है। इस पुस्तक के माध्यम से नए विचारों का उदय हुआ है, जिस पर विमर्श और बहस होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि लेखक रोहन

मालवदकर 'जयस्तंभ' के वंशज हैं, इसलिए उनका इस विषय पर लेखन और भी महत्वपूर्ण बनता है। वर्तमान में दलितों के हित के नाम पर समाज में वैमनस्य फैलाने के लिए एक 'इंडस्ट्री' सक्रिय है। लेकिन किसने इन्हें इस कार्य का ठेका दिया है, यह सवाल भी उठाना चाहिए। गुरुप्रकाश पासवान ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों का भी कई बार तोड़-मरोड़ कर इस्तेमाल किया जाता है। उनके लिखित विचारों का कुछ विशिष्ट समूह अपने एजेंडे के अनुसार प्रयोग करता है। कई बार %ब्रेकिंग इंडिया' एजेंडा वाले तत्व दलितों को हिंदुओं से अलग दिखाने का प्रयास करते हैं और इसी से 'जय भीम जय मीम' जैसे नारे गढ़े जाते हैं। इसलिए ऐसे ठेकेदारों को समय रहते पहचानना जरूरी है। प्रोफेसर डॉ. उमेश कदम ने कहा कि भारत का इतिहास उपनिवेशवादी दृष्टिकोण से लिखने का पाप अंग्रेजों ने किया। जानबूझकर 'हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इंडिया' और 'हिस्ट्री ऑफ मुगल इंडिया' जैसे इतिहास लिखे गए, लेकिन 'हिस्ट्री ऑफ मराठा इंडिया'नहीं लिखी गई।

आईजीएनसीए में 'पाण्डुलिपि एवं समीक्षित पाठ-सम्पादन' पुस्तक का लोकार्पण एवं परिचर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली । इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के कलानिधि विभाग की ओर से सुप्रसिद्ध विद्वान प्रो. वसन्तकुमार म. भट्ट द्वारा लिखित पुस्तक 'पाण्डुलिपि एवं समीक्षित पाठ-सम्पादन (अभिनव परम्पराओं के साथ)' का लोकार्पण एवं परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रमेश चन्द्र भारद्वाज उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. भट्ट के साथ-साथ कलानिधि प्रभाग के अध्यक्ष एवं डीन (प्रशासन) प्रो. रमेश चन्द्र गौड़, पुस्तक के सह-सम्पादक डॉ. कीर्तिकांत शर्मा तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के शोध विभागाध्यक्ष प्रो. शिव शंकर मिश्र ने भी विचार व्यक्त किए।

डॉ. जोशी ने कहा, पांडुलिपियां अभिलेख ही नहीं, बल्कि सभ्यतागत ज्ञान का जीवंत भंडार हैं।कार्यक्रम में कई शिक्षाविद, शोधार्थी, संस्कृत विद्वान तथा कला एवं संस्कृति क्षेत्र से जुड़े अतिथिगण उपस्थित थे।

पहलगाम आतंकी हमले पर मणिशंकर अय्यर का विवादित बयान, विभाजन के जख्मों को बताया आज भी जिंदा

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर राजनीतिक बयानबाजियों का दौर जारी है। रॉबर्ट वाड्रा के बाद अब कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर का विवादित बयान सामने आया है। दिल्ली स्थित इंडियन इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में अय्यर ने कहा कि भारत आज भी विभाजन के दर्द के साथ जी रहा है।

अय्यर ने कहा, कई लोगों ने विभाजन को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन मूल्यों में गहरे मतभेदों के चलते यह नहीं टल सका। विभाजन हुआ और आज तक हम उसके नतीजों को भुगत रहे हैं। क्या हमें इसे यूं ही स्वीकार कर लेना चाहिए? इसके साथ ही उन्होंने कहा, क्या 22 अप्रैल को पहलगाम के पास हुई भयावह त्रासदी में विभाजन के अधूरे सवालों की झलक नहीं मिलती?÷ मणिशंकर अय्यर के बयान पर भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं का ऐसा इतिहास रहा है। इससे पहले, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने भी पहलगाम आतंकी हमले को लेकर बयान दिया था। वाड्रा ने कहा था कि देश में मुसलमान असहज महसूस कर रहे हैं, और यही वजह है कि आतंकी नाम पूछकर हत्याएं कर रहे

हैं। उनके इस बयान पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताते हुए वाड्रा से माफी की मांग की है। हालांकि, वाड्रा ने स्पष्ट किया है कि यह उनकी निजी सोच है और इसका पार्टी से कोई संबंध नहीं है। बता दें कि यह पहली दफा नहीं है, जब मणिशंकर अय्यर के बोल बिगड़े हैं। इससे पहले भी उन्होंने कई बार विवादित बयान दिए हैं। भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर भी अय्यर ने सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि राजा दशरथ के महल में 10 हजार कमरे थे, ऐसे में यह कैसे तय किया जा सकता है कि भगवान राम का जन्म ठीक उसी स्थान पर हुआ था। उनके इस बयान पर भी जमकर विवाद हुआ और उन्हें व्यापक आलोचना का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं, मणिशंकर अय्यर मुगलों और पाकिस्तान के समर्थन में दिए गए बयानों को लेकर भी कई बार विवादों में घिरे। एक मौके पर उन्होंने कहा था कि ÷मुगलों ने कभी हिंदुओं पर अत्याचार नहीं किए, बल्कि उन्होंने भारत को अपनाया और इसे बनाया। उनके इस बयान पर भी भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। पाकिस्तान को लेकर भी अय्यर ने कई विवादित टिप्पणियां की थीं। उन्होंने कहा था कि भारत को पाकिस्तान की इज्जत करनी चाहिए, क्योंकि उसके पास परमाणु बम है और यदि सम्मान नहीं दिया गया तो वह भारत के खिलाफ एटम बम का इस्तेमाल कर सकता है। यही नहीं, पाकिस्तान में दिए एक इंटरव्यू में अय्यर ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच शांति तभी संभव है जब मोदी सरकार सत्ता से बाहर हो और उन्होंने इसके लिए पाकिस्तान से मदद का अनुरोध भी किया था।

आतंकवादियों को भेजने वाला देश अब किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम में हुई आतंकी घटना पर भारत सरकार द्वारा सिंधु जल संधि के निलंबन पर पाकिस्तान की ओर से आई गीदड़ भभकी पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि आतंकवादियों को भेजने वाला देश अब किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जो देश आतंकवादियों को भेजेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। पानी की एक बूंद भी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि संधियां केवल वहां मायने रखती हैं जहां विश्वास होता है। जो बार-बार विश्वासघात करे उसे सबक सिखाना जरूरी है। इसलिए, आतंकवादियों और उनके आकाओं को सबक सिखाना महत्वपूर्ण है। पहलगाम में दानव बन आए आतंकवादियों पर कठोर कार्रवाई हो इसके लिए पूरा देश एकजुट है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा सभी राज्यों को भेजे गए निर्देश पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि गृहमंत्री द्वारा राज्यों को जारी निर्देश राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के तहत सख्त कार्रवाई की शुरुआत है। संदेश पक्का है, राष्ट्रीय हित सर्वोच्च है और भारत की धरती किसी भी रूप में आतंकवाद या उसके समर्थकों के लिए पनाहगाह नहीं बनेगी। वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि मुर्शिदाबाद में सुनियोजित तरीके से हिंदुओं पर हमला किया गया। यह सब बंगाल की सरकार के कारण हुआ है और सरकार की चुप्पी इसका सबूत दे रही है। महिलाओं और बच्चों पर अत्याचार की दिल दहलाने वाली कहानियां सामने आ रही हैं। ममता बनर्जी ने तुष्टिकरण की राजनीति के लिए अपराधियों को खुली छूट दी है। हिंदुओं पर अत्याचार किया जा रहा है। यह बेहद ही दूर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से मिली फटकार पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस और इंडी गठबंधन लगातार स्वतंत्रता सेनानियों और देश के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करने वाले परिवारों की विरासत को बदनाम करने का अभियान चला रहे हैं।

संपादक की कलम से

अब सुप्रीम कोर्ट को धौंस!

दुबे ने एकवचन में गृहयुद्ध की नहीं, बहुवचन में "गृहयुद्धों" की बात कही है। उसका इशारा सुप्रीम कोर्ट के हाल के कुछ और महत्वपूर्ण फैसलों की ओर भी है। इशारा खासतौर पर राज्यपालों की भूमिका और विशेष रूप से राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों के संदर्भ में राज्यपालों की भूमिका को लेकर, तमिलनाडु बनाम राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के हाल के ही फैसले की ओर है।

फासीवादियों की एक जाने-मानी रणनीति है। जो खुद करना चाहते हो, करने जा रहे हो, विरोधी पर वही करने का आरोप लगा दो। भाजपा के बदजुबान पर मोदी जी निजाम के मुंहलगे सांसद, निशिकांत दुबे सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, संजीव खन्ना पर "देश में हो रहे सभी गृह युद्धों" की जिम्मेदारी डालने के जरिए, ठीक यही दांव आजमा रहे थे। कहने की जरूरत नहीं है कि दुबे का उक्त बयान, वक्फ कानून की वैधता के लिए चुनौतियों की सुनवाई के क्रम में संजीव खन्ना के नेतृत्व वाले सुप्रीम कोर्ट के तीन सदस्यीय खंडपीठ द्वारा अपनाए गए आरंभिक रुख के संदर्भ में आया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में क्या कहा है और क्या किया है, इसकी चर्चा हम जरा आगे चलकर करेंगे। यहां सिर्फ इतना कि अगर भाजपा के अघोषित प्रवक्ता के रूप में दुबे को, इस संदर्भ में गृहयुद्धों की याद आ गयी है, तो यह संयोग ही नहीं है। इसमें वक्फ कानून को लाने के पीछे संघ-भाजपा निजाम के असली मकसद का इशारा है। और यह मकसद है, मुसलमानों की स्थिति को और कमजोर करना, उन्हें और दबाना, जिसके संबंध में वे भी बखूबी जानते हैं कि यह देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। लेकिन, किसी कमजोर, अल्पसंक्रयक को दबाने वाला गृहयुद्ध ही उनका वाक्य है न कि गृहयुद्ध से बचाव।याद रहे कि दुबे ने एकवचन में गृहयुद्ध की नहीं, बहुवचन में "गृहयुद्धों" की बात कही है। उसका इशारा सुप्रीम कोर्ट के हाल के कुछ और महत्वपूर्ण फैसलों की ओर भी है। इशारा खासतौर पर राज्यपालों की भूमिका और विशेष रूप से राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों के संदर्भ में राज्यपालों की भूमिका को लेकर, तमिलनाडु बनाम राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के हाल के ही फैसले की ओर है। उस निर्णय से जुड़ा गृहयुद्ध का इशारा, आम तौर पर राज्यों की स्वायत्तता के खिलाफ और खासतौर पर दक्षिण भारतीय राज्यों की भाषायी-सांस्कृतिक-सामाजिक स्वायत्तता के खिलाफ, संघ-भाजपा की एकात्मकतावादी मुहिम में निहित गृहयुद्ध की संभावनाओं की ओर है।इस प्रसंग में इसकी याद दिलाना अप्रासांगिक नहीं होगा कि तमिलनाडु की "हिंदी थोपे जाने" की चिंताओं का आधे-अधूरे तरीके से सरकार की ओर से खंडन किए जाने के बीच ही, महाराष्ट्र की भाजपा-नीत गठजोड़ सरकार ने तमिलनाडु की आशंकाओं को ही सच साबित करते हुए, इसका ऐलान कर दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत, त्रिभाषा फामूर्ले की तीसरी भाषा के रूप में महाराष्ट्र में "हिंदी" अनिवार्य की जा रही है। हैरानी की बात नहीं है कि इस निर्णय का व्यापक रूप से विरोध भी हो रहा है। बहरहाल, इसके सामानांतर मुंबई के कुछ हिस्सों से एक बार फिर गुजरातियों और मराठियों के बीच तनाव बढ़ने की खबरें आने लगी हैं।यह भी याद रहे कि तमिलनाडु बनाम राज्यपाल प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ हमले की शुरूआत, निशिकांत दुबे से दो-तीन दिन पहले,भारत के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कर चुके थे। धनखड़ जो सर्वोच्च न्यायालय के तथाकथित "अतिक्रमणों" से संसद की और वास्तव में कार्यपालिका की हिफाजत करने के नाम पर पहले भी कई बार तलवार भांज चुके हैं, इस बार सर्वोच्च न्यायालय से इस बात से खफा थे कि उसने राज्यपालों द्वारा और यहां तक कि राष्ट्रपति द्वारा भी, राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित किए गए विधेयकों पर मंजूरी या नामंजूरी का निर्णय करने के लिए, तीन महीने की अधिकतम सीमा तय कर दी है। उनके अनुसार यह राष्ट्रपति की और उसकी नियुक्तियों के रूप में राज्यपालों की भी 'सर्वोच्चता' का अतिक्रमण है! अदालत राष्ट्रपति को कुछ भी निर्देश कैसे दे सकती है, भले ही यह इसी का निर्देश क्यों न हो कि राज्य विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर बैठे ही नहीं रहें, तीन महीने के अंदर उन पर अपना कोई न कोई फैसला दे दें! सर्वोच्च न्यायालय को "पूर्ण न्याय" करने में समर्थ बनाने वाली संविधान की धारा-142 को तो उपराष्ट्रपति धनखड़ ने "जनतांत्रिक ताकतों के खिलाफ नाभिकीय मिसाइल, जो न्यायपालिका को 24 घंटा 7 दिन उपलद्बध है" ही करार दे दिया। यह इसके बावजूद था कि बाबरी मस्जिद बनाम रामजन्म भूमि विवाद में, मंदिर के पक्ष में अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कथित रूप से "पूर्ण न्याय" करने के लिए ठीक इसी धारा का सहारा लिया था।फिर भी यह अकारण ही नहीं है कि धनखड़ से भिन्न, निशिकांत दुबे तथा दिनेश शर्मा जैसे भाजपायी सांसदों ने, आम तौर पर सर्वोच्च न्यायालय पर और खासतौर पर मुख्य न्यायाधीश पर निशाना साधते हुए, वक्फ बोर्ड के मुद्दे को ही सबसे आगे रखा है। इसका सीधा संबंध, वक्फ कानून में संशोधनों के हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक मंतव्यों से है। बेशक, संघ-भाजपा की ओर से इसका काफी स्वांग भी किया जाता रहा है और जाहिर है कि इसमें संसद में बहस के दौरान तथा उसके बाद के भी उनके जुबानी दावे भी शामिल हैं, कि ये संशोधन वास्तव में मुसलमानों को लाभ पहुंचाने की चिंता से किए जा रहे हैं। कि इन संशोधनों से विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं व पसमांदा मुसलमानों को और मुसलमानों के बोहरा आदि कमजोर पंथों को फायदा मिलने वाला है। कि इसका हिंदुओं के तुष्टिकरण से कोई संबंध नहीं है, आदि।

भारत में कम हो रहे सर्वाइकल कैंसर के मामले, एम्स की डॉक्टर ने बताया कैसे

सर्वाकल कैंसर को लेकर राहत भरी खबर है. यह खबर नेशनल एकेडमिक ऑफ मेडिकल सांइस (ठअटर) से आई है. ठअटर की वाइस प्रेसिडेंट प्रोफेसर नीरजा भाटला का दावा है कि देश में सर्वाकल कैंसर को लेकर जागरुकता और सरकारी पहल का असर देखने को मिल रहा है. टीवी9 भारतवर्ष से खास बातचीत में उन्होंने दावा किया कि आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) में जिस तरह सर्वाइकल कैंसर को लेकर मामले दर्ज होते थे उनमें कमी आई है. इसकी बड़ी वजह सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीनेशन भी है.

ग्लोबोकन 2020 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 123,907 नए सर्वाइकल कैंसर के मामले पाए गए हैं और इस बीमारी से 77,348 लोगों ने अपनी जान गवां ली है. पैप स्मीयर या एचपीवी परीक्षणों के साथ नियमित जांच से कैंसर पूर्व घावों का पता लगाया जा सकता है, जिससे की समय रहते इलाज शुरू कर इसे ठीक किया जा सके. देश में हर दिन इसकी वजह से करीब 200 महिलाओं की मृत्यु होती है. लेकिन अब मामलों में पहले की तुलना में कमी आ रही है.

क्या है सर्वाइकल कैंसर

सर्वाइकल कैंसर के सभी मामले ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (ल्ढश) इन्फेक्शन से जुड़े होते हैं, जो यौन संचारित रोग है. आंकड़े यह भी बताते हैं कि भारत में प्रति 1000 महिलाओं में 17.7 महिला सर्वाइकल कैंसर से ग्रसित हैं. हल्ड के मानकों के मुताबिक इन आंकड़ो के कम करके 4 प्रतिशत तक लाना है. भारत में जिस हिसाब से सर्वाइकल कैंसर के मामले हैं उनपर कन्ट्रोल करते करते साल 2062 हो जाएगा. डॉ नीरजा ने बताया कि यदि पीरियड्स के बीच में ब्लीडिंग होता है, यौन संसर्ग के बाद ब्लीडिंग, दुर्गंधयुक्त श्वेत स्त्राव और कमर के निचले भाग में दर्द या पेट के निचले हिस्से में भी तकलीफ महसूस हो सकती है. इसके साथ ही पेशाब करने के दौरान अचानक दर्द या कठिनाई महसूस होना भी इसके लक्षण हैं. सर्वाइकल कैंसर एचपीवी वायरस से होता है

मानव सभ्यता को बचाने के लिये पृथ्वी संरक्षण जरूरी

-ललित गर्ग-

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता संकट को रोकने के लिए कार्रवाई का एक क्रांतिकारी आह्वान है पृथ्वी दिवस जो पूरे विश्व में 22 अप्रैल को मनाया जाता है। पृथ्वी या सृष्टि के संरक्षण और स्थिरता के लिए जागरूकता पैदा करना इसलिये आवश्यक हो गया कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और वनों की कटाई के कारण प्रकृति एवं पर्यावरण पर गहरे संकट है। वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम है ह्यहमारी शक्ति, हमारा ग्रहह्न, जो यह स्पष्ट करता है कि जलवायु परिवर्तन और हमारे पर्यावरण के दुरुपयोग से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा की तत्काल आवश्यकता है। हमारे स्वास्थ्य, हमारे परिवारों, हमारी आजीविका और हमारी धरती को एक साथ संरक्षित करने का समय आ गया है।

पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की वर्षगांठ का प्रतीक है, जो पहली बार सन् 1970 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक करना है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है।

190 से अधिक देशों को पृथ्वी दिवस में शामिल करते हुए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है जो प्लास्टिक प्रदूषण, नवीकरणीय संसाधन, ग्लोबल वार्मिंग और टिकाऊ जीवन जैसी प्रमुख पर्यावरणीय चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। वृक्षारोपण, सफाई अभियान, शैक्षिक अभियान और वकालत वैश्विक स्तर पर सरकारों, संगठनों, स्कूलों और समुदायों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में से हैं। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण की दृष्टि से अधिक सही निर्णय लेने तथा पृथ्वी के अनुकूल नीतियों के पक्ष में खड़ा करता है और इस बात पर जोर देता है कि आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आप कहीं भी रहते हों, आप पृथ्वी को अधिक स्वस्थ और टिकाऊ बनाने में योगदान दे सकते हैं और ऐसा करते हुए शांति की स्थापना एवं शांतिपूर्ण जीवन को सुदृढ़ बना सकते हैं। इस दिवस के माध्यम से ऐसे विचारों एवं जीवनशैली को संगठित करना है जिससे पर्यावरण नीति निमार्ता सरकारों को प्रेरित करें ताकि पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए कानूनों और प्रथाओं में बदलाव हो सके एवं वैज्ञानिक नवाचारों और हरित प्रौद्योगिकियों के विचार को बल देते हुए पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने और भविष्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा सके।

आज विश्व भर में हर जगह प्रकृति का दोहन एवं शोषण जारी है। जिसके कारण पृथ्वी पर अक्सर उत्तरी ध्रूव की ठोस बर्फ का कई किलोमीटर तक पिघलना, सूर्य की पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकने वाली ओजोन परत में छेद होना, भयंकर तूफान, सुनामी और भी कई प्राकृतिक आपदाओं का होना आदि ज्वलंत समस्याएं विकराल होती जा रही है, जिसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वार्मिंग के रूप में जो आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जीव-जन्तु अंधे हो जाएंगे। लोगों की त्वचा झुलसने लगेगी और कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ जाएगी एवं अनेक नयी-नयी व्याधियां रह-रहकर जीवन संकट का कारण बनती रहेगी। इसीलिये विश्व पृथ्वी दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है। यह दीर्घकालिक परिवर्तन को संभव बनाने की दिशा में काम करेगा क्योंकि यह पर्यावरण जागरूकता की संस्कृति को विकसित करता है और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को पृथ्वी का सक्रिय संरक्षक बनने के लिए सशक्त बनाता है।

जिस पृथ्वी को हम माँ का दर्जा देते हैं उसे हम खुद अपने ही हाथों दूषित करने में कैसे लगे रहते हैं? आज जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। अगर पृथ्वी के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाए तो मानव जीवन कैसे सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा? पृथ्वी है तो सारे तत्व हैं, इसलिये पृथ्वी अनमोल तत्व है। इसी पर आकाश है, जल, अग्नि, और हवा है। इन सबके मेल से प्रकृति की संरचना सुन्दर एवं जीवनमय होती है। अपने-अपने स्वार्थ के लिए पृथ्वी पर अत्याचार रोकना होगा और कार्बन उत्सर्जन में कटौती पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से औद्योगिक क्रांति पर नियंत्रण करना होगा, क्योंकि उन्हीं के कारण कार्बन उत्सर्जन और दूसरी तरह के प्रदूषण में बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव-जंतु, प्राकृतिक स्त्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही है। विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के लिये ही इस दिवस को मनाया जाता है।

आज चिन्तन का विषय न तो रूस-यूक्रेन युद्ध है, न अमेरिका का टैरिफ वार है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा का मामला है। चिन्तन एवं चिन्ता का एक ही मामला है लगातार विकराल एवं भीषण आकार ले रही गर्मी, सिकुड़ रहे जलस्त्रोत, विनाश की ओर धकेली जा रही पृथ्वी एवं प्रकृति के विनाश के प्रयास। बढ़ती जनसंख्या, बढ़ता प्रदूषण, नष्ट होता पर्यावरण, दूषित गैसों से छिद्रित होती ओजोन की ढाल, प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यधिक दोहन- ये सब पृथ्वी एवं पृथ्वीवासियों के लिए सबसे बडे. खतरे हैं और इन खतरों का अहसास करना ही विश्व पृथ्वी दिवस का ध्येय है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। साथ ही साथ हमारा सुविधावादी नजरिया एवं जीवनशैली पृथ्वी और उसके पर्यावरण एवं प्रकृति के लिये एक गंभीर खतरा बन कर प्रस्तुत हो रहा हैं। जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से पृथ्वी और प्रकृति का निर्माण होता है। यदि यह तत्व न हों तो पृथ्वी और प्रकृति इन तीन तत्वों के बिना अधूरी है। विश्व में ज्यादातर समृद्ध देश वही माने जाते हैं जहां इन तीनों तत्वों का बाहुल्य है। आधुनिकीकरण के इस दौर में जब इन संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन हो रहा है तो ये तत्व भी खतरे में पड़ गए हैं। अनेक शहर पानी की कमी से परेशान हैं। कत्लखानों में कटती गायों की निरीह आहें जिसे बेचैन कर देती थी। जो वन्य पशु-पक्षियों को खदेड़कर अपनी बस्तियों बनाने का बौना स्वार्थ नहीं पालता था। अब वही मनुष्य अपने स्वार्थ एवं सुविधावाद के लिये सही तरीके से प्रकृति का संरक्षण न कर पा रहा है और उसके कारण बार-बार प्राकृतिक आपदाएं कहर बरपा रही है। रेगिस्तान में बाढ़ की बात अजीब है, लेकिन हमने राजस्थान में अनेक शहरों में बाढ़ की विकराल स्थिति को देखा हैं। वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा।

आज पॉलीथीन पृथ्वी के लिये सबसे बड़ा सिरदर्द बन गई है। इसके नष्ट न होने के कारण भूमि की उर्वरक क्षमता खत्म हो रही है। इनको जलाने से निकलने वाला धुआँ ओजोन परत को भी नुकसान पहुँचाता है जो ग्लोबल वार्मिंग का बड़ा कारण है। देश में प्रतिवर्ष लाखों पशु-पक्षी पॉलीथीन के कचरे से मर रहे हैं। हमें वर्षा के जल को पुनः उपयोग में लाने वाली प्रणाली को विकसित करना होगा। हमें बिजली की बबार्दी को भी रोकना होगा अन्यथा वह दिन दूर नहीं है जब हम अंधेरे में ही अपना जीवन-यापन करने को मजबूर हो जायेंगे। हमें कागज के उपयोग को सीमित करना होगा, क्योंकि कागज पेड़ों की लकड़ी से बनता है जिसके लिए हमें बड़ी संख्या में पेड़ काटने पड़ते हैं। आजकल भूमि भी जहरीली होती जा रही है जिससे उसमें उगने वाली वनस्पतियों में विषाक्तता बढ़ती जा रही है। प्रकृति से सहज रिश्ता कायम हो। जीवन शैली में बदलाव आये। हर क्षेत्र में संयम की सीमा बने। हमारे दिमागों में भी जो स्वार्थ एवं सुविधावाद का शैतान बैठा हुआ है, उस पर अंकुश लगे। अन्यथा निकट भविष्य में मानव सभ्यता का अंत दिखाई दे रहा है।

राहुल ने खोली चुनाव आयोग की पोल

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जब भी विदेश दौरों पर जाते हैं, भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार की जान सांसत में होती है। राहुल गांधी इस समय नेता प्रतिपक्ष हैं ही, उन्हें एक बड़े नेता के तौर पर भी देखा जाता है। देश में तो राहुल गांधी भाजपा एवं उसकी एनडीए सरकार के खिलाफ संसद के भीतर-बाहर अभियान छेड़े हुए हैं ही, विदेशों में भी प्रवासी भारतीयों, छात्रों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों से वे लोकतंत्र के लिए अपनी चिंताओं को साझा करते हैं। राहुल अभी अमेरिका प्रवास पर हैं। वहां उन्होंने अपनी पहली सभा में भारत के केन्द्रीय निर्वाचन आयोग की कार्यपद्धति की जमकर आलोचना की। किस तरह से पूरी निर्वाचन पद्धति सत्तारुढ़ भाजपा के पक्ष में काम करती है, उन्होंने इसका लेखा-जोखा सामने रखा है।

अमेरिका के बोस्टन शहर पहुंचे राहुल ने व्यवसायियों और वहां रहने वाले भारतीयों से बातचीत में भारत के चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'हमारे सामने यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है और निर्वाचन प्रणाली में व्यापक गड़बड़ियां हैं।' राहुल गांधी ने कहा- 'मैंने यह कई बार बताया है, खासकर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रदेश के वयस्क नागरिकों की संख्या से कहीं अधिक लोगों ने वोटिंग की। चुनाव आयोग द्वारा शाम 5.30 बजे तक मतदान के आंकड़े जारी किये गये थे। बाद में जो अंतिम आंकड़े प्रदान किये गये उसके अनुसार शाम 5.30 बजे से 7.30 बजे के बीच 65 लाख लोगों ने मतदान किया। ऐसा होना संभव ही नहीं है क्योंकि एक व्यक्ति को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं। इस हिसाब से तो सुबह 2 बजे तक मतदाताओं की कतारें लगनी चाहिये थीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब कांग्रेस व विपक्ष ने आयोग से वीडियो सबूत मांगे तो उसे न केवल मना कर दिया गया बल्कि आयोग ने कानून ही बदल दिया ताकि विपक्षी दल वीडियोग्राफी के लिए न कह सकें।'

गौरतलब है कि राहुल ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान ऐसे वक्त में चुनावी गड़बड़ियों की ओर इशारा किया है जब कुछ ही दिनों पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके खासमखास दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने साफ किया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। बैलेट पेपर की हिमायत करते हुए मस्क ने तो यहां तक कहा है कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है। यानी वे उस आरोप की पुष्टि कर रहे हैं जो भारत के कई विपक्षी दल 2022 से लगा रहे हैं। आरोप हैं कि पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में वोटिंग मशीनों में बड़े पैमाने पर धांधली कर भाजपा ने दो-चार नहीं वरन लगभग 80 सीटें जीती हैं। इतना ही नहीं, कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी एक खास पैटर्न के द्वारा हारती हुई भाजपा ने चंद घंटों में इतनी सीटें जीत लीं कि वह सरकार बनाने में कामयाब हो गयी। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के उदाहरण इस सिलसिले में दिये जाते हैं। वैसे तो भारत में जिस तरह से शासकीय मशीनरी के जरिये लोकतंत्र को अपहृत किया गया है और मोदी सरकार निरंकुश तरीके से काम कर रही है, वह दुनिया अब जान चुकी है, राहुल द्वारा जो बातें भारतीय समुदायों के समक्ष कही जा रही हैं, वह दूर तलक जायेगी क्योंकि वहां का मीडिया एक तरह से वैश्विक कहा जाता है जो निश्चित ही भारतीय मीडिया के मुकाबले बहुत अधिक जनतांत्रिक, स्वतंत्र और निष्पक्ष है। भारत का मीडिया विपक्ष की बातों को जहां स्थान नहीं देता वहीं अमेरिकी या लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व किसी भी देश का मीडिया सरकार की बजाय प्रतिपक्ष को तरजीह देता है।

हिन्दी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

-ललित गर्ग-

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है।

त्रिभाषा फामूर्ले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेजी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फामूर्ले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फामूर्ले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फामूर्ले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण है? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है।

तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडू में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है। नायडू ने कहा कि भाषा केवल संचार का एक साधन है। आप सभी जानते हैं कि तेलुगु, कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाएं विश्व स्तर पर चमक रही हैं। नॉलेज अलग है, भाषा अलग है। हिंदी भी देश में कम्युनिकेशन लैंग्वेज के तौर पर जरूरी है।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना या हिन्दी के नाम पर विध्वसंक राजनीति होना अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है, सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए हिन्दी में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के अलावा देश के अन्य राज्यों से जो राजनेता प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी हिंदी का विरोध नहीं किया। दक्षिण भारत से पहले प्रधानमंत्री बने पी वी नरसिंह राव धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे।

यूक्रेन ने बम से उड़ाया रूसी जनरल, एक गिरफ्तार

एजेंसी

मास्को। रूसी जनरल को बम विस्फोट में उड़ाने के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पता चला है कि यूक्रेन के एक खुफिया अधिकारी ने ही रूसी जनरल को कार में विस्फोट करके उड़ा दिया था। यह विस्फोट रिमोट कंट्रोल के जरिए किया गया था। इस मामले में रूस की जांच एजेंसियों ने यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के अधिकारी इग्नात कुजिन को गिरफ्तार कर लिया है। पुतिन के करीबी मेजर जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक अपनी कार में बैठने जा रहे थे। तभी कार में भारी विस्फोट हो गया, जिसमें मेजर जनरल की मौके पर ही मौत हो गई थी। यह घटना रूस के बाल सिखा इलाके में हुई। रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस के मुताबिक यह हमला यूक्रेन से ही रिमोट कंट्रोल के जरिए किया गया। इस वारदात में यूक्रेन की खुफिया एजेंसी के अधिकारी इग्नात कुजिन का हाथ पाया गया। उसे शनिवार की देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की तफ्तीश जारी है।

ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध को लेकर पुतिन की मंशा पर जताया संदेह

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मंशा पर गहरा संदेह जताया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें अब भरोसा नहीं रह गया है कि पुतिन युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ही ट्रंप ने उम्मीद जताई थी कि रूस और यूक्रेन समझौते के बहुत करीब हैं। पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में भाग लेने के बाद अमेरिका लौटते समय ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, पिछले कुछ दिनों में पुतिन द्वारा नागरिक इलाकों, शहरों और कस्बों पर मिसाइल हमले करने का कोई औचित्य नहीं है। यह सब देखकर मुझे लगने लगा है कि शायद वह युद्ध रोकना नहीं चाहते। हो सकता है कि अब हमें उन्हें बैंकिंग या सेकेंडरी प्रतिबंधों के माध्यम से अलग तरीके से निपटना पड़े। बहुत से लोग मारे जा रहे हैं!!! उल्लेखनीय है कि ही ट्रंप ने वेटिकन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से भी संक्षिप्त मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में भाग लेने से पहले कुछ देर बातचीत की थी।

पहलगाम हमले के विरोध में काठमांडू में प्रदर्शन, पाकिस्तानी दूतावास बंद करने की मांग

काठमांडू। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में एक नेपाली युवक सहित हिंदू पर्यटकों की हत्या के विरोध में काठमांडू स्थित पाकिस्तानी दूतावास के सामने अलग-अलग संस्थाओं और संगठनों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल में पाकिस्तानी दूतावास को बंद करने की मांग भी की। कई सामाजिक संगठनों ने आज सुबह से ही काठमांडू के महाराजगंज स्थित पाकिस्तानी दूतावास के सामने प्रदर्शन किया। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के विरोध में नारेबाजी करते हुए इन प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सेना के प्रमुख की तस्वीर को लेकर भी विरोध प्रदर्शन किया। पाकिस्तानी दूतावास के सामने प्रदर्शन करने वाले भूपेंद्र क्षेत्री ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद का पालन पोषण करने का नतीजा है कि यह पूरा क्षेत्र आतंक से ग्रसित है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तानी सेना प्रमुख का हाथ है।

थाईलैंड में विमान हादसा, छह पुलिस अधिकारियों की मौत

बैंकॉक। थाईलैंड की खाड़ी में शुक्रवार सुबह पुलिस का एक छोटा विमान (डीएचसी-6-400 ट्विन ओटर) दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी छह पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। थाईलैंड के 191 आपातकालीन केंद्र ने सुबह 8.15 बजे दुर्घटना की सूचना दी। केंद्र के अनुसार, यह विमान 'बेबी ग्रैंड हुआ हिन होटल' से लगभग 100 मीटर दूर दुर्घटनाग्रस्त होकर थाईलैंड की खाड़ी में गिर गया। बैंकॉक पोस्ट अखबार की खबर के अनुसार, 'बेबी ग्रैंड हुआ हिन होटल' समुद्र तट के किनारे फेचबुरी के चा-आम जिले में है। इस विमान में पुलिस के तीन पायलट, दो मैकेनिक और एक इंजीनियर सवार थे। थाई पुलिस के प्रवक्ता पोल लेफ्टिनेंट जनरल अर्चायोन क्रैथोंग ने बताया कि विमान पैराशूट प्रशिक्षण अभ्यास की तैयारी के लिए परीक्षण उड़ान पर था। पांच अधिकारियों की घटनास्थल पर मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल पायलट पोल कैप्टन चतुरोंग वट्टानापाइसरन को पास के अस्पताल ले जाया गया। वहां शाम करीब 4 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। थाईलैंड के पुलिस प्रमुख किथाराथ पुनपेच ने दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विमान रन-वे से बाहर निकलने के कुछ ही समय बाद संतुलन खोकर खाड़ी में गिर गया।

शांति प्रस्ताव पर वार्ता के लिए मिस्र पहुंचे हमास के नेता, बातचीत के लिए इस्राइल को भी न्योता

एजेंसी

गाजा। गाजा में जारी युद्ध के बीच अब शांति की कोशिशें एक बार फिर तेज हो गई हैं। इसके लिए हमास का एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंचा, जहां हमास के नेताओं ने मिस्र के अधिकारियों के साथ युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली और मानवीय सहायता पर बातचीत शुरू की। इस प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई हमास नेतृत्व परिषद के प्रमुख मुहम्मद दरवेश कर रहे हैं, जिनके साथ जहीर जबरीन, खालिद मेशाल और अन्य नेता शामिल हैं। इसको लेकर हमास ने अपने बयान में कहा कि वे युद्ध रोकने और गाजा में फंसे लोगों के लिए भोजन, दवा और दूसरी मदद की तुरंत जरूरत पर जोर देंगे। मामले में मिस्र के अधिकारी ने बताया कि इस्राइल को भी वार्ता में शामिल होने के लिए आने सोमवार को बुलाया गया है, लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि इस्राइल इस

बातचीत में शामिल होगा या नहीं। इस्राइली सूत्रों ने कहा कि उन्हें मध्यस्थों से कोई नया प्रस्ताव नहीं मिला है, और वे सिर्फ मिले हुए मध्यस्थों के प्रस्तावों पर ही जवाब देंगे। बता दें कि इससे पहले इस्राइल ने गाजा में हमास को खत्म करने और बंधकों को छुड़ाने के लिए भारी बमबारी की थी। साथ ही बीते दो मार्च को गाजा में मानवीय मदद पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। इस कारण वहां खाने-पीने की चीजें, दवाइयां और जरूरी सामान पहुंचना बंद हो गया है। इस्राइल और हमास के बीच के तनाव को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि गाजा के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए और वहां मदद भेजना जरूरी है। हालांकि, अमेरिका ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह क्या कदम उठा रहा है। वहीं दूसरी ओर फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने हमास पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि हमास ने बंधकों के जरिए इस्राइल को गाजा पर हमला करने का बहाना दिया है। अब्बास ने कहा कि इस्राइली कैदियों को तुरंत रिहा करना चाहिए। इतना ही नहीं उन्होंने अपने बयान में हमास को गाली तक दे दी। साथ ही गाजा में हो रहे इस्राइली हमलों को नरसंहार बताया।

स्वतंत्र फलस्तीन की मांग पर जोर

इसके साथ ही अब्बास ने फलस्तीनी गुटों को एकजुट करने, गाजा से इस्राइली सेना की वापसी और एक स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य की मांग भी दोहराई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हमास ने 2007 से गाजा पर कब्जा करके फलस्तीनी उद्देश्य को नुकसान पहुंचाया है। फिलहाल सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि क्या ये बातचीत कोई हल निकाल पाएगी या फिर युद्ध और मानवीय संकट और बढ़ेगा।

अब पाकिस्तान के गृह मंत्री नकवी ने दी भारत को गीदड़ भभकी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा उठाए गए कड़े कदमों से पाकिस्तान बौखला गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व बिलावल भुट्टो के बाद अब वहां के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भारत को गीदड़ भभकी दी है। कहा कि यदि भारत ने पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की तो 240 मिलियन पाकिस्तानी आखिरी सांस तक लड़ने के तैयार बैठे हैं

पाकिस्तानी अखबार डान के मुताबिक गृह मंत्री नकवी यहीं नहीं रुके। उन्होंने यहां तक आरोप लगा दिए कि भारत पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों में शामिल है। भारत की धमकियों से पाकिस्तान की सरकार डरने वाली नहीं हैं। गौरतलब है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल समझौते को रद्द करने समेत कई बड़े कदम उठाए हैं। इसके चलते पाकिस्तान के नेता आपा खो बैठे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जहां भारत

को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे चुके हैं, वहीं बिलावल भुट्टो ने तो यहां तक कह डाला कि सिंधु में या तो पानी बहेगा या फिर भारत के लोगों का खून। अब गृहमंत्री ने भी आपा खोते हुए उल्टे भारत पर ही आतंकवाद फैलाने का आरोप मढ़ दिया है।

झेलम का अचानक बढ़ा जल स्तर, पाकिस्तान में आई बाढ़

एजेंसी

इस्लामाबाद। झेलम नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। नदी किनारे रहने वाले लोगों ने पूरी रात जागकर काटी है। इससे घबराए पाकिस्तान प्रशासन ने हट्टियन बाला क्षेत्र में वाटर इमरजेंसी की घोषणा तक कर दी है। साथ ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। मस्जिदों से भी लगातार लोगों को सचेत किया जा रहा है। उधर पाकिस्तान ने भारत पर जानबूझ कर नदी में अधिक पानी छोड़े जाने का आरोप लगाया है। हालांकि भारत की ओर से अभी इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई है। मुजफ्फराबाद के डिप्टी कमिश्नर फारुक के मुताबिक अचानक शाम को झेलम नदी का जल स्तर बढ़ने लगा। इसके चलते कई इलाकों में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक हर सकेंड 22 हजार घन फीट पानी बह रहा है, जिससे गारी दुपट्टा, मझोई व मुजफ्फराबाद आदि इलाकों में बाढ़ के

हालात पैदा गए हैं। फारुक ने आरोप लगाया कि भारत ने जानबूझकर झेलम नदी में एकाएक जल को छोड़ा है। पूर्व में जब भी नदी में जल स्तर छोड़ा जाता था तो भारत की ओर से सूचना दी जाती थी।लेकिन इस बार कोई भी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने लोगों से नदी के पास वाले इलाकों में जाने से बचने को कहा है।

राष्ट्रपति अब्बास ने हुसैन अल-शेख को बनाया उपराष्ट्रपति; फलस्तीन के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

एजेंसी

फलस्तीनी। फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने अपने करीबी विश्वासपात्र हुसैन अल-शेख को अपने उप-राष्ट्रपति और संभावित उत्तराधिकारी नामित किया। इस बारे में फलस्तीन मुक्ति संगठन ने बयान जारी किया है। इस बयान में फलस्तीन मुक्ति संगठन ने कहा कि यह कदम फलस्तीनी नेतृत्व पर अंतराष्ट्रीय संदेह को दूर करने के लिए आवश्यक माना जा रहा है। फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास द्वारा अपना संभावित उत्तराधिकारी नियुक्त करना एक बड़ा कदम है। बता दें कि 89 वर्षीय महमूद अब्बास साल 2004 में वरिष्ठ नेता यासर अराफात की मौत के बाद से फलस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) और फलस्तीनी प्राधिकरण (पीए) के प्रमुख रहे हैं। हालांकि हाल के सालों में वे उत्तराधिकारी की नियुक्ति सहित आंतरिक सुधारों का विरोध करते रहे हैं। गौरतलब है कि इस्राइल और हमास में जारी संघर्ष के बीच फलीस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) ने गुरुवार को 89 वर्षीय फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास के नेतृत्व में एक उप राष्ट्रपति पद बनाने की घोषणा की थी। पीएलओ केंद्रीय परिषद की दो

दिवसीय बैठक के बाद, परिषद ने पीएलओ कार्यकारी समिति के उपाध्यक्ष का पद बनाने के लिए मतदान किया था। इसे फलीस्तीन राज्य के उपराष्ट्रपति के रूप में भी संदर्भित किया जाएगा। अब बात अगर पीएलओ की करें तो ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि है और पश्चिमी समर्थित फलीस्तीनी प्राधिकरण की देखरेख करता है, जो इस्राइल के कब्जे वाले पश्चिमी तट के आधे से कम हिस्से में सीमित स्वायत्तता का प्रयोग करता है। अब्बास ने इन दोनों संस्थाओं का दो दशकों से नेतृत्व किया है। गौरतलब है कि हमास ने 2007 में अब्बास की सेना से गाजा पर नियंत्रण ले लिया। इसके बाद दोनों के बीच सुलह के प्रयास बार-बार विफल रहे हैं।

वेटिकन सिटी में डोनाल्ड ट्रंप और जेलेंस्की की मुलाकात, रिश्तों में नई पहल

एजेंसी

वेटिकन सिटी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच रोम में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के दौरान मुलाकात हुई। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने इसे बेहद उत्पादक (वेरी प्रोडक्टिव) बैठक बताया। दोनों नेताओं ने सेंट पीटर्स बेसिलिका में लगभग 15 मिनट तक बातचीत की और बाद में एक दूसरी बैठक करने पर सहमति जताई। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष को समाप्त करने के प्रयासों में निर्णायक प्रगति की उम्मीद की जा रही है। व्हाइट हाउस संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने बताया, राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति जेलेंस्की ने आज निजी तौर पर मुलाकात की और बेहद उत्पादक चर्चा की। बैठक के और विवरण जल्द साझा किए जाएंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता ने भी बैठक को रचनात्मक बताया और कहा कि दोनों पक्ष आगे

की रणनीति पर काम कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में दोनों नेताओं को संगमरमर से सजी एक विशाल हॉल में आमने-सामने बैठकर चर्चा करते हुए देखा गया। इस दौरान कोई अन्य सहयोगी मौजूद नहीं था, जिससे मुलाकात की गोपनीयता का अंदाजा लगाया जा सकता है। एक अन्य तस्वीर में ट्रंप, जेलेंस्की, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को एक घनिष्ठ समूह में चर्चा करते हुए दिखाया गया। इस दौरान मैक्रों ने जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखा, जो आपसी सहयोग का संकेत था। गौरतलब है कि फरवरी में वाशिंगटन डीसी के ओवल ऑफिस में दोनों नेताओं के बीच एक तीखी बहस हुई थी, जिसके बाद यह पहली मुलाकात है। ट्रंप ने हाल ही में दोनों पक्षों के बीच संघर्षविराम पर जोर देते हुए कहा था कि अगर जल्द समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका मध्यस्थता से पीछे हट सकता है। ट्रंप ने भी पुष्टि की थी कि उनके विशेष दूत और रूसी नेतृत्व के बीच बातचीत उत्पादक रही है। अब दुनिया की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या यह नई पहल यूक्रेन और रूस के बीच शांति बहाली की दिशा में कोई ठोस नतीजा ला सकेगी।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, व्यक्त कीं संवेदना

एजेंसी

काठमांडू। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि हिन्दू तीर्थयात्रियों को निशाना बना कर एक नेपाली नागरिक सहित 28 लोगों की मौत पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। पूर्व राजा ने हमले पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमला मानवता और हिन्दू समुदाय के खिलाफ एक अक्षम्य और जघन्य अपराध है। हम इस त्रासदी की कितनी भी कड़ी निंदा करें,

यह कभी भी नुकसान की भयावहता को व्यक्त करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने सनातन वैदिक हिन्दुओं की मूल मान्यता %वसुधैव कुटुम्बकम% के सिद्धांत का हवाला देते हुए कहा कि यह विचार कि दुनिया एक परिवार है। इन मूल्यों के खिलाफ इस तरह के अपराध करना न केवल एक पाप है, बल्कि हमारे धार्मिक और मानवीय सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन है। पूर्व राजा ने हमले में जान गंवाने वाले नेपाली नागरिक सहित सभी पीड़ित परिवारों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की हैं। शाह ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वह भारत सरकार और भारत की जनता के पक्ष में खड़े हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में नेपाली जनता का पूर्ण समर्थन रहेगा।

उत्तर कोरिया ने घातक हथियारों से लैस युद्धपोत का जलावतरण किया

एजेंसी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने अपने एक नए 5,000 टन के युद्धपोत का जलावतरण किया। दावा किया गया है कि यह विध्वंसक है और सबसे शक्तिशाली घातक हथियारों से लैस है। इस अवसर पर उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन अपनी पुत्री के साथ मौजूद रहे। इस युद्धपोत का जलावतरण एआई तकनीक आधारित नए आत्मघाती और टोही ड्रोन के परीक्षण की देखरेख के लगभग एक महीने बाद किया गया। उत्तर कोरिया की कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने आज यह जानकारी दी।कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम जोंग-उन ने इस अवसर पर देश की नौसेना की समुद्री शक्ति को बढ़ाने के प्रयासों का बखान किया। युद्धपोत का

जलावतरण पीपुल्स रिवोल्यूशनरी आर्मी की 93वीं स्थापना वर्षगांठ पर पश्चिमी बंदरगाह शहर नाम्फो में एक शिपयार्ड में आयोजित समारोह के दौरान किया गया। किम ने अपनी बेटी जू-ए के साथ समारोह में हिस्सा लिया। किम ने उत्तर कोरियाई जापानी-विरोधी क्रांतिकारी सेनानी के नाम पर चोई ह्योन नामक नवनिर्मित युद्धपोत का निरीक्षण भी किया।किम ने इस मौके पर भविष्य में परमाणु-संचालित पनडुब्बियों को विकसित करने का संकल्प दोहराया। उत्तर कोरियाई नेता ने मार्च में दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास की निंदा की। किम ने कहा कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया की नई परमाणु युद्ध योजना डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया के प्रति शत्रुतापूर्ण इरादे की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है। यह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए सीधा खतरा है।

ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह पर भीषण विस्फोट, 4 लोगों की मौत, 500 से अधिक घायल

एजेंसी

तेहरान। ईरान के दक्षिणी हिस्से में स्थित बंदर अब्बास के शाहिद राजा ई-पोर्ट पर भीषण विस्फोट और आग लगने की घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 516 से अधिक लोग घायल हो गए। इस बात की जानकारी देश के बचाव संगठन के प्रमुख बाबक महमूदी ने सरकारी टेलीविजन पर दी। शाहिद राजा ई-पोर्ट ईरान के प्रमुख कंटेनर बंदरगाहों में से एक है, जहां हर साल लगभग 80 मिलियन टन माल का परिवहन होता है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में विस्फोट के बाद काले धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। कई किलोमीटर दूर तक इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। पुलिस जांच में जुटी है लेकिन अभी तक विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है। बताया जा रहा है कि विस्फोट किसी अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री के कारण हुआ है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन अधिकारी सुरक्षित निकालने के प्रयास कर रहे हैं। विस्फोट के चलते एक इमारत के ढहने की भी सूचना है। गृह मंत्रालय ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

मेहरदाद हसनजादेह ने बताया कि विस्फोट पोर्ट पर रखे कंटेनरों से हुआ। उन्होंने कहा कि राहतकर्मी घटनास्थल तक पहुंचने और लोगों को यह हादसा उस समय हुआ जब ईरान और अमेरिका के बीच ओमान में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर वार्ता का तीसरा दौर जारी था।

गाजा में इजरायली हमलों में 34 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा। गाजा पट्टी में इजरायली सेना की ओर से किए गए हवाई हमलों में कम से कम 34 फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए हुए हैं। नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने चीन की न्यूज एजेंसी बताया कि इजरायली सेना ने तटीय परिक्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में कई आवासीय घरों, सभाओं और विस्थापित व्यक्तियों के तंबुओं को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि गाजा शहर के पश्चिम और दक्षिण में दो घरों पर इजरायली हवाई हमले में कम से कम 13 लोग मारे गए। वहीं, उत्तरी गाजा पट्टी के बेत हनौन में दो इजरायली ड्रोन हमलों में तीन अन्य लोग मारे गए, जबकि मध्य गाजा पट्टी के अल-जवैदा शहर में एक घर को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में दो लोग मारे गए। श्री बसल के अनुसार, डेर अल-बलाह शहर में एक कैफे पर इजरायली हवाई हमले में चार और मध्य गाजा पट्टी में माघाजी शरणार्थी शिविर के उत्तर में एक फिलिस्तीनी सभा पर हमले में पांच लोग हैं। उन्होंने बताया कि मध्य गाजा पट्टी के अल-जवैदा शहर में एक सभा को निशाना बनाकर की गई इजरायली गोलाबारी में सात अन्य लोग मारे गए और दक्षिण में खान यूनिस के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में एक और व्यक्ति मारा गया। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि 18 मार्च को इजरायल द्वारा अपने गहन सैन्य अभियान को फिर से शुरू करने के बाद से कम से कम 2,111 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 5,483 घायल हुए हैं।

अलविदा पोप फ्रांसिस...बेसिलिका डी सांता मारिया मैगीगोर में दी गई अंतिम विदाई

एजेंसी

वेटिकन सिटी। वेटिकन में इस महीने की 21 अप्रैल से चिरनिद्रा में लीन पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार आज कैथोलिक चर्च के रीति-रिवाज के साथ सेंट पीटर बेसिलिका के स्थान पर बेसिलिका डी सांता मारिया मैगीगोर में किया गया। अंतिम संस्कार की प्रार्थना सभा पूरी होने के बाद यहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ ईसाई कैथोलिक धर्मगुरु के ताबूत को दफनाया गया। करीब ढाई लाख लोग इसके साक्षी बने। लगभग 170 देशों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं ने पोप को अंतिम विदाई दी। इनमें करीब 50 राष्ट्राध्यक्ष और 10 सम्राट भी शामिल हैं। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैंक्रो, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने पोप को नमन किया। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे भी अंतिम संस्कार समारोह के दौरान कुछ सैनिकों के बगल में खड़े नजर आए। वेटिकन प्रेस कार्यालय के अनुसार, इससे पहले रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें %पोप% पोप फ्रांसिस के ताबूत के अंतिम दर्शन बंद कर दिए गए। ताबूत को सील करने की रस्म शुक्रवार को

स्थानीय समयानुसार रात आठ बजे रोम के सेंट पीटर बेसिलिका में हुई। वेटिकन न्यूज के अनुसार, इस रस्म के दौरान नए पोप के चयन तक वेटिकन के अंतरिम प्रबंधक कार्डिनल केविन फैरेल ने दस्तावेज पढ़ा।

दस्तावेज को इस समारोह के आखिर में ताबूत में रख दिया गया। वेटिकन प्रेस कार्यालय ने बताया कि तीन दिन में लगभग 250,000 लोग पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि देने सेंट पीटर्स बेसिलिका पहुंचे। ताबूत को सील करने के अनुष्ठान के दौरान कार्डिनल जियोवानी बतिस्ता रे, पिएत्रो पारोलिन, रोजर महोनी, डोमिनिक मैम्बर्टी, मौरो गैम्बेटी, बाल्डासारे रीना और कोनराड क्रेजवेस्की भी मौजूद रहे। आर्कबिशप एडगर पेना पारा, आर्कबिशप इल्सन डी जीसस मोंटानारी, मोनसिग्नोर लियोनार्डो सैपिएन्ज़ा, वेटिकन चैप्टर के कैनन, वेटिकन के साधारण माइनर पेनिटेंटियरीज, दिवंगत पोप के सचिव और पोंटिफिकल लिटर्जिकल समारोह के मास्टर और आर्कबिशप डिएगो रवेली ने इस रस्म के दौरान मदद की। सेंट पीटर बेसिलिका में अंतिम संस्कार की रस्म के वक्त भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप और कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष और विदेशी प्रतिनिधिमंडल के नेता नजर आए। भारत की राष्ट्रपति मुर्मु पोप फ्रांसिस के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए 25 अप्रैल को वेटिकन सिटी पहुंचीं।

पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह ने आईपीएल में पूरे किए 1,000 रन

एजेंसी

कोलकाता। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने अपने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) करियर में 1,000 रन पूरे कर लिए हैं। प्रभसिमरन ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (चचक्र) के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच के दौरान प्रभसिमरन ने 49 गेंदों में छह चौकों और छह छक्कों की मदद से 83 रनों की शानदार पारी खेली। उन्होंने 169.39 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उनकी पारी दो भागों में थी। अपनी पहली 32 गेंदों में उन्होंने 106.25 के स्ट्राइक रेट से 34 रन बनाए। लेकिन इसके बाद अगली 17 गेंदों में उन्होंने 288.23 के स्ट्राइक रेट से 49 रन बनाए। इस सीजन में उन्होंने 9 पारियों में 32.44 के औसत से 292 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं और उनके रन 168.78 के स्ट्राइक रेट से आ गया है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 83 है। कुल मिलाकर 43 मैचों में उनके 24.37 के औसत और 151.88 के स्ट्राइक रेट से 1,048 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 रहा। 2023 सीज़न उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ रहा, जिसमें उन्होंने 14 मैचों में 25.57 की औसत और 150.42 की स्ट्राइक रेट से 358 रन बनाए, जिसमें एक शतक और अर्धशतक शामिल है और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 रहा।

प्रियांश, प्रभसिमरन की जोड़ी ने बनाया इतिहास, गेल-राहुल को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच हुए मुकाबले में पंजाब की युवा ओपनिंग जोड़ी प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने नया रिकॉर्ड बना दिया। केकेआर के गेंदबाजों पर दबदबा बनाते हुए इस जोड़ी ने 71 गेंदों में 120 रनों की साझेदारी की, जो केकेआर के खिलाफ पंजाब की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी बन गई। इसने क्रिस गेल और केएल राहुल के आईपीएल 2018 में बनाए 116 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 12वें ओवर में आंद्रे रसेल ने इस साझेदारी को तोड़ा, लेकिन तब तक प्रियांश आर्य ने 35 गेंदों में 69 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर पीबीकेएस को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। आर्य और प्रभसिमरन की इस जोड़ी ने न केवल केकेआर के गेंदबाजों को परेशान किया, बल्कि आईपीएल इतिहास में किसी अनकैप्ड जोड़ी द्वारा बनाई गई सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

आईपीएल में पंजाब किंग्स बनाम केकेआर के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग स्टैंड

प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह - 120, ईडन गार्डन्स, कोलकाता - आईपीएल 2025
क्रिस गेल और केएल राहुल - 116, ईडन गार्डन्स, कोलकाता - आईपीएल 2018
मयंक अग्रवाल और केएल राहुल - 115, अबू धाबी, आईपीएल 2020

आईपीएल में अनकैप्ड जोड़ियों द्वारा 100+ ओपनिंग स्टैंड

120 - प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह, पंजाब बनाम कोलकाता, 2025
109 - नमन ओझा और माइकल लंब, राजस्थान बनाम पंजाब, 2010
106 - मयंक अग्रवाल और श्रेयस अय्यर, दिल्ली बनाम पंजाब, 2015

गोयनका के टीम में बहुत ज्यादा दखल पर पहली बार बोले निकोलस पूरन

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने आईपीएल 2025 में फ्रैंचाइजी मालिक संजीव गोयनका की भूमिका पर बात की। उन्होंने कहा कि गोयनका खिलाड़ियों को क्रिकेट से संबंधित फैसलों में स्वायत्तता देते हैं। गोयनका मौजूदा सीजन में टीम की रणनीतियों में गहराई से शामिल रहे हैं और खिलाड़ियों के साथ उनकी सख्त बातचीत ने उन्हें सबसे सक्रिय मालिकों में से एक बनाया है। पिछले सीजन में केएल राहुल के साथ उनकी सार्वजनिक बहस ने विवाद खड़ा किया था, जिसके बाद राहुल ने फ्रैंचाइजी छोड़ दी। इस साल भी गोयनका मैदान पर सक्रिय हैं और ऋषभ पंत के साथ उनकी चर्चाओं ने सुर्खियां बटोरीं। क्रिकेट मामलों में उनकी अत्यधिक भागीदारी के कारण उनकी आलोचना भी हो रही है। निकोलस पूरन ने लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका के कामकाज की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि गोयनका खिलाड़ियों का भरपूर समर्थन करते हैं और उन्हें क्रिकेट के आधार पर फैसले लेने की आजादी देते हैं।

सीएसके कोच ने माना- असली गलतियां नीलामी में हुई, यह आसान नहीं होती

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स की लगातार हार से आहत मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने स्वीकार किया कि हो सकता है कि कुछ महीने पहले मेगा नीलामी में उनकी तरफ से कुछ गलतियां हुई जिसके कारण वह सही टीम संयोजन तैयार नहीं कर पाए। 5 बार की चैंपियन चेन्नई की टीम के लिए आईपीएल के वर्तमान सत्र में कुछ भी अच्छा नहीं चल पा रहा है। टीम को अभी तक खेले गए नौ मैच में से सात में हार का सामना करना पड़ा है। फ्लेमिंग ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार के बाद पत्रकारों से कहा कि यह कहना मुश्किल है। हमने जो प्रदर्शन किया है, उसमें हमने इसे पूरी तरह से सही पाया है। इसलिए हम अपनी खेल शैली के इर्द-गिर्द इस पर विस्तार से विचार कर रहे हैं। साथ ही यह भी देख रहे हैं कि खेल कैसे विकसित हो रहा है और इससे सामंजस्य से बिठाना आसान नहीं होता है।

आईपीएल 2025: बारिश की भेंट चढ़ा पंजाब किंग्स और केकेआर का मुकाबला

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 44वां मुकाबला बारिश की वजह से बिना नतीजे के रहा। कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए इस मुकाबल में पंजाब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 201 रन बनाए। वहीं, कोलकाता की पारी में सिर्फ एक ओवर का खेल हो सका, जिसमें केकेआर ने बिना कोई विकेट खोए 7 रन बनाए। इस बेनतीजा मैच के बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले। इस तरह पंजाब के पास 11 अंक और केकेआर के 7 अंक हो चुके हैं।टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी पंजाब ने शानदार शुरुआत की। दोनों सलामी बल्लेबाजी प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह

ने टीम को तेज रनगति के साथ रन बनाने शुरू किए। दोनों के बीच 120 रन की साझेदारी हुई। 12वें ओवर में प्रियंश 35 गेंदों में 69 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए। फिर कप्तान श्रेयश अय्यर ने प्रभसिमरन के साथ मिलकर 40 रन जोड़े तभी प्रभसिमरन आउट हो गए। उन्होंने 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से 49 गेंदों 83 रन की पारी खेली। उनके बाद टीम का स्कोर 200 के पार जरूर पहुंचा लेकिन रनगति पहले के मुकाबले काफी कम रही। कप्तान श्रेयश 25 रन और जोश इंग्लिश 11 रन बनाकर नाबाद रहे। जबकि ग्लेन मैक्सवेल एक बार फिर रन बनाने में विफल रहे। उन्होंने 7 रन बनाए। जबकि बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजे गए मार्को यानसे भी कुछ खास नहीं कर सके और 7 गेंदों में 3 रन बनाकर आउट हुए। कोलकाता के लिए वैभव अरोड़ा ने दो विकेट चटकाए जबकि वरुण चक्रवर्ती और आंद्रे रसल को 1-1 सफलता मिली।

नेपाल में दमखम दिखा गए मीरजापुर के शटलर, झटके 6 मेडल

एजेंसी

मीरजापुर। नेपाल के पोखरा में आयोजित इंडो-नेपाल यूथ स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप में मिर्जापुर के बैडमिंटन खिलाड़ियों ने कमाल कर दिया। 21 से 25 अप्रैल तक चले इस रोमांचक टूर्नामेंट में मिर्जापुर के जांबाज शटलरों ने तीन स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर न सिर्फ अपने शहर का नाम रौशन किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का भी लोहा मनवाया। यूथ स्पोर्ट्स एजुकेशन फेडरेशन इंडिया द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश यूथ स्पोर्ट्स एजुकेशन के सचिव प्रमोद श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि डबल्स मुकाबले में आर्यन मौर्य और अनुपम पाण्डेय की जोड़ी ने नेपाल के बसन्तो यापा और श्रीजन पौड़ी की जोड़ी को कड़ी टक्कर देते हुए 15-7, 11-15, 15-9 से शिकस्त दी और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। सिंगल्स मुकाबले भी कम रोमांचक नहीं रहे। अनुपम पाण्डेय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीजन पौड़ी को 15-7, 15-4 से हराकर व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। वहीं आर्यन मौर्य और आर्विन सिंह ने भी जोरदार खेल दिखाया, हालांकि दोनों को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। बालिका वर्ग में शिफाली यादव ने जबर्दस्त जुझारूपन दिखाया। लेकिन कांटे की टक्कर में रजत पदक उनके हिस्से आया। जैसे ही विजेता खिलाड़ी मीरजापुर बस स्टैंड पर पहुंचे, वहां माहौल एकदम उत्सव में बदल गया। फूल-मालाओं से लदे खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत हुआ। शहर के गणमान्य नागरिकों ने गर्मजोशी से उनका अभिनंदन किया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। स्वागत समारोह में शैलेश सिन्हा, शुशील मौर्य, पूजा गोयल, कीर्ति सिंह, प्रीति, राकेश तिवारी, हिमांशु, शेखू, अमरेश, सूरज, राजीव, राहुल, शुभम, विनय, दिनेश और सौरभ समेत कई लोग मौजूद रहे।

योगासन को 2036 ओलंपिक में शामिल करने का संकल्प, डॉ मांडविया ने की ऐतिहासिक घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की प्राचीन विरासत योग को वैश्विक खेल मंच पर स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने द्वितीय एशियन योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के उद्घाटन अवसर पर योगासन को वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों में शामिल कराने का संकल्प व्यक्त किया। दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित इस भव्य आयोजन ने भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव को खेलों के माध्यम से दुनिया के सामने प्रस्तुत किया।इस चैंपियनशिप का आयोजन योगासन भारत और एशियन योगासन फेडरेशन द्वारा, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), दिल्ली सरकार और पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में बाबा रामदेव, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव, संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, और अन्य प्रमुख गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ मांडविया ने कहा, योगासन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता हमें आश्वस्त करती है कि शीघ्र ही इसे ओलंपिक में एक मान्यता प्राप्त खेल के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने इस पहल को भारतीय युवाओं के लिए एक नई दिशा बताते हुए योगासन को संयम, अनुशासन और मानसिक संतुलन का प्रतीक बताया। बाबा रामदेव ने अपने उद्बोधन में कहा, योगासन आज की युवा पीढ़ी को चकाचौंध और ग्लैमर से दूर रखते हुए एक विवेकपूर्ण और संतुलित जीवन शैली का मार्ग दिखाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस पहल का समर्थन करते हुए एक संदेश भेजा, जिसमें उन्होंने इसे भारत की सांस्कृतिक धरोहर को विश्व मंच पर पुनः स्थापित करने का एक स्वर्णिम अवसर बताया। उन्होंने कहा, यह आयोजन हमारी साझा मानवता के लिए भारत के योगदान का प्रतीक है। चैंपियनशिप में 20 से अधिक एशियाई देशों से आए 200 से अधिक प्रतिभागियों ने

हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने न केवल अपने अद्भुत योग कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी आपसी सद्भावना का संदेश दिया। आयोजन ने योगासन को एक खेल से आगे बढ़ाकर एक वैश्विक सांस्कृतिक आंदोलन का रूप दे दिया। इस ऐतिहासिक पहल के साथ, 2026 एशियन गेम्स में योगासन के डेमो खेल के रूप में शामिल होने की तैयारी भी जोर पकड़ चुकी है, जो योग को वैश्विक खेल मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आरसीबी कोच मालोलन रंगराजन ने पाटीदार की कप्तानी और स्पिन जोड़ी सुयश-क्रुणाल पर जताया भरोसा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दूसरे मुकाबले से पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के स्पिन गेंदबाजी कोच मालोलन रंगराजन ने कप्तान रजत पाटीदार के खेल कौशल और उनकी कप्तानी दक्षता पर भरोसा जताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि सुयश शर्मा और क्रुणाल पांड्या की स्पिन जोड़ी के जादू पर विश्वास जताया है। राजत पाटीदार की कप्तानी पर रंगराजन ने कहा, एक बड़े फ्रेंचाइजी की कमान संभालने का जिम्मा रजत को दिया गया और उन्होंने हर मौके पर खुद को साबित किया है। चाहे दबाव कम हो या अधिक, उन्होंने बेहद शांत और स्पष्ट सोच के साथ निर्णय लिए हैं। उनके गेंदबाजों को घुमाने के तरीके ने दिखा दिया कि उनमें नेतृत्व करने की शानदार क्षमता है। हमें उम्मीद है कि टूर्नामेंट के बाकी हिस्से में भी वह इसी तरह शानदार प्रदर्शन जारी रखेंगे। देवदत्त पडिक्कल की भूमिका और प्रदर्शन पर रंगराजन ने कहा कि जब वह पहले आरसीबी के साथ थे, तब उन्होंने लगभग 500 रन बनाए थे। पिछले तीन साल उनके लिए

चुनौतीपूर्ण रहे, लेकिन इस बार नीलामी में हमने एक बाएं हाथ के बल्लेबाज की जरूरत के हिसाब से उन्हें चुना। उनके साथ पहले का काम करने का अनुभव भी हमारे लिए फायदेमंद रहा। टीम प्रबंधन ने उन्हें उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टता दी और देवदत्त ने अपनी तकनीकी व रणनीतिक समझ पर खूब मेहनत की। उन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में भी शानदार बल्लेबाज़ी कर टीम को मजबूत शुरुआत दी है। वहीं, टीम के स्पिन आक्रमण को लेकर कोच मालोलन ने कहा कि सुयश शर्मा और क्रुणाल पांड्या जबरदस्त विकल्प बनकर उभरे हैं। वो टीम के लिए एक एसेट हैं और उनके प्रदर्शन से टीम को लगातार फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि सुशल की तेज गति और दोनों किनारों से बल्ला चीरने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। सुयश जल्दी ही एक जाना-पहचाना नाम बन जाएगा, इस पर हमें पूरा भरोसा है। वहीं, क्रुणाल पंड्या ने भी अपने एक्शन में बदलाव कर गेंद को ज्यादा घुमाने और फ्लो के साथ गेंदबाजी करने की कला विकसित की है। क्रुणाल को लेकर उन्होंने रहस्यमय अंदाज़ में कहा कि उनका एक खास मिशन है, जिसे सीजन के अंत में सब देखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ए ने भारतीय महिला हॉकी टीम को 5-3 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने पहले मुकाबले में शानदार संघर्ष किया, लेकिन वे पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलिया 'ए' टीम से 3-5 से हार गई। भारत की ओर से महिमा टेटे (27'), नवनीत कौर (45') और लालरेमसियामी (50') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया 'ए' के लिए नीसा फ्लिन (3'), ओलिविया डाउनस (9'), रूबी हैरिस (11'), टैटम स्टुअर्ट (21') और केंड्रा फिट्जपैट्रिक (44') ने गोल दागे।

तेज शुरुआत के बाद ऑस्ट्रेलिया 'ए' ने बनाई मजबूत बढ़त–

मैच की शुरुआत तेज रफ्तार के साथ हुई, जिसमें ऑस्ट्रेलिया 'ए' ने शुरुआती बढ़त बनाते हुए नीसा फ्लिन (3फीसदी) के फील्ड गोल से खाता खोला। इसके बाद टीम ने लगातार दबाव बनाए रखा और ओलिविया डाउनस (9फीसदी) व रूबी हैरिस (11फीसदी) ने भारतीय डिफेंस में चूक का फायदा उठाकर दो और फील्ड गोल दाग दिए। पहले क्वार्टर के बाद ऑस्ट्रेलिया 'ए' ने 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी।

भारत ने दिखाई जुझारूपन, लेकिन बढ़त कायम रही–

दूसरे क्वार्टर में भी ऑस्ट्रेलिया 'ए' का दबदबा बना रहा। लगातार पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करने के

बाद टैटम स्टुअर्ट (21फीसदी) ने एक को गोल में बदलकर स्कोर 4-0 कर दिया। हालांकि, भारतीय टीम ने हार नहीं मानी और महिमा टेटे (27फीसदी) ने शानदार फील्ड गोल कर भारत के लिए खाता खोला। हाफ टाइम तक स्कोर 1-4 था।

नवनीत और लालरेमसियामी ने दिखाई वापसी की झलक–

तीसरे क्वार्टर में केंड्रा फिट्जपैट्रिक (44फीसदी) ने एक और गोल कर ऑस्ट्रेलिया 'ए' को 5-1 की बढ़त दिलाई। इसके तुरंत बाद भारत ने जवाबी हमला बोला और उपकप्तान नवनीत कौर (45फीसदी) ने फील्ड गोल कर स्कोर 2-5 किया। अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमों ने मौके बनाए। भारत की ओर से लालरेमसियामी (50फीसदी) ने एक और शानदार फील्ड गोल किया, लेकिन इसके बावजूद भारतीय टीम वापसी पूरी नहीं कर पाई और मुकाबला 3-5 पर समाप्त हुआ।

पहलगाम हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि–

इस मैच के दौरान भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहल्गाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के सम्मान में काली पट्टियां बांधकर खेला। टीम ने पूरे ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान काली पट्टी पहनने का फैसला किया है, ताकि पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की जा सके।

ज्यूरिख क्लासिक: थीगला और राय ने टॉप-10 में बनाई जगह

एजेंसी

एवोंडेल (लॉस एंजिल्स)। भारतीय मूल के गोल्फर साहिथ थीगला और उनके साथी आरोन राय ने ज्यूरिख क्लासिक ऑफ न्यू ऑरलियन्स के दूसरे राउंड में 69 का स्कोर खेलते हुए टॉप-10 में जगह बना ली है। दोनों ने शुक्रवार को अल्टरनेट शॉट फॉर्मेट में शानदार खेल दिखाया।थीगला और राय की जोड़ी ने पहले होल पर बर्डी, दूसरे होल पर 10 फीट की ईगल और सातवें होल पर एक और बर्डी जमाई। हालांकि, उन्होंने पांचवें होल पर एक शॉट गंवाया, लेकिन बाकी सभी होल, खासकर पिछली नौ होल्स को पार खेलते हुए सुरक्षित निकाल लिया। दूसरी ओर, साहिथ थीगला के साथ ही हीरो के साथ करार करने वाले अक्षय भाटिया इस टूर्नामेंट में कार्सन यंग के साथ खेल रहे थे, लेकिन वे कट पार नहीं कर सके। पीजीए टूर के रूकी खिलाड़ी इसाइआह सलिंडा और केविन वेलो ने अल्टरनेट शॉट फॉर्मेट में 3-अंडर 69 का स्कोर खेला और लीड बरकरार रखी। उनका कुल स्कोर 17-अंडर 127 है। गुरुवार को उन्होंने बेटर-बॉल फॉर्मेट में 58 का रिकॉर्ड स्कोर बनाया था। एंड्रयू नोवाक और बेन ग्रिफिन 66 के स्कोर के साथ उनसे सिर्फ एक शॉट पीछे हैं। टीमें बेटर बॉल और रविवार को फिर से अल्टरनेट शॉट फॉर्मेट में खेलेंगी। डिफेंडिंग चैंपियन रोरी मैकइलरॉय और शेन लॉरी ने 69 का स्कोर किया और 11-अंडर स्कोर के साथ 16वें स्थान पर बने हुए हैं। दोनों ने शुरुआत में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहले 12 होल्स में 6-अंडर का स्कोर बनाया, लेकिन आखिरी छह होल्स में तीन शॉट गंवाए।

एशियन अंडर-15 और अंडर-17 बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत ने पक्के किए 43 पदक

एजेंसी

अम्मान (जॉर्डन)। भारतीय बॉक्सिंग टीम ने वर्ल्ड बॉक्सिंग से मान्यता प्राप्त नई एशियाई बॉक्सिंग संस्था की आयोजित पहली एशियन अंडर-15 और अंडर-17 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक कुल 43 पदक पक्के कर लिए हैं। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) की जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतियोगिता के सातवें दिन चार और भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंच गए।भारत ने अब अंडर-15 वर्ग में कम से कम 25 और अंडर-17 वर्ग में 18 पदक सुनिश्चित कर लिए हैं, क्योंकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ी कम से कम कांस्य पदक के हकदार होते हैं।

उम्दा प्रदर्शन जारी–

अंडर-17 बालकों के वर्ग में अमन सिवाच (63 किग्रा) और देवांश (80 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिलीपींस और

जॉर्डन के खिलाड़ियों के खिलाफ रेफरी स्टॉप्ड कंटेस्ट (ऋस्ट) के जरिए मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

वहीं, बालिकाओं के वर्ग में सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) ने जॉर्डन की अया अलहसनत को 5-0 के बड़े अंतर से हराया, जबकि हिमांशी (70 किग्रा) ने फिलीस्तीन की फराह अबू लैला के खिलाफ पहले ही राउंड में मुकाबला समाप्त कर आरएससी (ऋस्ट) से जीत हासिल की।

सातवें दिन के परिणाम–

अंडर-17 पुरुष वर्ग - क्वार्टर फाइनल

60 किग्राः साहिल दुहन (भारत) को अमीरी मेहराबी (ईरान) से 2-3 से हार

63 किग्राः अमन सिवाच (भारत) ने जियादरच जेम्स कैबरेरा (फिलीपींस) को रेफरी स्टॉप कॉन्टेस्ट (आरएससी) (राउंड 2) से हराया

66 किग्राः अनंत गौरिशंकर देशमुख (भारत) को दानियाल शल्करबे (कजाकिस्तान) से 0-5 से हार

75 किग्राः प्रियांश सेहरावत (भारत) को खुर्शीदबेक जुराएव (उज्बेकिस्तान) से 0-5 से हार

80 किग्राः देवांश (भारत) ने अब्दल्ला अलदब्बास (जॉर्डन) को आरएससी (राउंड 3) से हराया

80+ किग्रा- लोवेन गुलिया (भारत) को फारहौद घोरबानी (ईरान) से 0-5 से हार

अंडर-17 महिला वर्ग - क्वार्टर फाइनल

60 किग्राः सिमरनजीत कौर (भारत) ने अया अलहसनत (जॉर्डन) को 5-0 से हराया

70 किग्राः हिमांशी (भारत) ने फराह अबू लैला (फिलिस्तीन) को पहले राउंड में आरएससी से हराया

हो सकता है धोनी अगले साल के लिए टीम बना रहे हों- रायुडू

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा कि पांच बार की चैंपियन टीम को टी20 क्रिकेट की मौजूदा शैली के साथ तालमेल बिठाने के लिए और सतर्कता बरतनी होगी। एमए चिदंबरम स्टेडियम में प्लेइंग इलेवन में बदलाव के बावजूद सीएसके जीत हासिल करने में नाकाम रही और अंक तालिका में 10वें स्थान पर बनी हुई है। रायुडू ने कहा कि यह सीएसके के लिए सबसे मुश्किल स्थिति है, लेकिन एक बड़ी सीख भी। अगर आप पुरानी उपलब्धियों पर रुकते हैं और भविष्य की ओर नहीं देखते, तो ऐसा ही होता है। अब वे खेल के साथ विकसित होने को लेकर बहुत सतर्क होंगे।

ग्लोबल कबड्डी लीग: पंजाबी टाइगर्स, मराठी वल्चर्स, तमिल लायंस और भोजपुरी लेपर्ड्स सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में चल रही ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) में पुरुष वर्ग के लीग मुकाबलों का समापन हुआ। शानदार प्रदर्शन के दम पर पंजाबी टाइगर्स, मराठी वल्चर्स, तमिल लायंस और भोजपुरी लेपर्ड्स ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। पहला मुकाबला तमिल लायंस और हरियाणवी शार्क्स के बीच खेला गया, जिसमें लायंस ने शार्क्स को 63-32 के बड़े अंतर से शिकस्त दी। तमिल लायंस ने 33 रेड अंक और 22 टैकल अंक जुटाते हुए 8 ऑलआउट किए और मुकाबले पर पूरी तरह अपना दबदबा बनाया। हरियाणवी शार्क्स की दो सुपर टैकल की कोशिशें तमिल लायंस की आक्रामकता के आगे नाकाम रहीं।

दिन के दूसरे मुकाबले में भोजपुरी लेपर्ड्स ने पंजाबी टाइगर्स को 36-25 से हराकर सेमीफाइनल

में प्रवेश किया। भोजपुरी लेपर्ड्स ने मजबूत डिफेंस के साथ 16 टैकल अंक और 14 रेड अंक जुटाए। वहीं, पंजाबी टाइगर्स मैच में वापसी की कोशिशों के बावजूद बढ़त बनाने में सफल नहीं हो सके। लीग चरण के अंतिम मुकाबले में तेलुगू पैंथर्स ने मराठी वल्चर्स को 50-43 के नजदीकी मुकाबले में पराजित किया। दोनों टीमों ने बराबरी से 25-25 रेड अंक हासिल किए, लेकिन तेलुगू पैंथर्स के 17 टैकल अंक और 6 ऑलआउट निर्णायक साबित हुए। इस रोमांचक मुकाबले में पैंथर्स की दो सुपर रेड ने उन्हें जीत दिलाई।

लंदन में ही बसना चाहते हैं विराट-अनुष्का, माधुरी दीक्षित के पति ने बताई असल वजह

एजेंसी

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और क्रिकेटर विराट कोहली के लंदन में बसने की खबरें पिछले कुछ समय से चर्चा में थीं। अब, अभिनेत्री माधुरी दिक्षित के पति डॉ. श्रीराम नेने ने इसकी असल वजह का खुलासा किया है। अपने यूट्यूब चैनल पर यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया के साथ बातचीत में डॉ. नेने ने बताया कि अनुष्का और विराट ने अपने बच्चों, वामिका और अकाय, को सामान्य परवरिश देने और भारत में लगातार मिलने वाली सार्वजनिक ध्यान से बचने के लिए लंदन में रहने का फैसला किया। डॉ. नेने ने कहा कि मैं विराट का बहुत सम्मान करता हूं। हम उनसे कई बार मिले हैं; वह एक बेहद सभ्य इंसान हैं। अनुष्का के साथ एक दिन बातचीत में उन्होंने बताया कि वे लंदन शिफ्ट होने की सोच रहे हैं क्योंकि भारत में वे अपनी सफलता का आनंद नहीं ले पाते। यहां उनकी हर हरकत पर ध्यान दिया जाता है, जिससे वे लगभग अलग-थलग महसूस करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह जोड़ा अपने बच्चों को सामान्य जीवन देना चाहता है, जो भारत में लगातार मीडिया और प्रशंसकों की नजरों के बीच मुश्किल है। अनुष्का और

विराट की मुलाकात 2013 में एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान हुई थी। 2017 में इटली में एक निजी समारोह में दोनों ने शादी की। उनकी बेटी वामिका का जन्म 2021 में और बेटा अकाय 2024 में हुआ। अकाय का जन्म लंदन में ही हुआ था और दंपति वहां पहले से ही एक संपत्ति के मालिक हैं। अनुष्का ने अपनी आखिरी प्रमुख फिल्म 'जीरो' (2018) के बाद से अभिनय से कुछ दूरी बनाई है, लेकिन वह जल्द ही 'चकदा एक्सप्रेस' में नजर आएंगी। वहीं, विराट आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां उन्होंने 9 मैचों में 392 रन बनाए हैं।

विराट के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने भी बीते दिनों कहा था कि विराट और अनुष्का अपने बच्चों के साथ लंदन में बसने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि विराट जल्द ही अनुष्का और बच्चों के साथ लंदन शिफ्ट होने वाले हैं। वह क्रिकेट के बाद वहां अपना जीवन बिताना चाहते हैं। यह कदम अनुष्का और विराट की उस इच्छा को दर्शाता है कि वे अपने बच्चों को सुर्खियों से दूर एक शांत और निजी जीवन देना चाहते हैं।

'ये जो नेता घूमते रहते हैं...', पहलगाम हमले पर फूटा

श्वेता तिवारी का गुस्सा

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा से ही अपनी खूबसूरती के लिए चर्चा में रहते हैं. लोग श्वेता के दीवाने हैं. वो हमेशा से ही अपनी पर्सनल लाइफ के लिए सुर्खियों में रहती हैं. श्वेता ने बीते दिनों कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर एक वीडियो बनाया और उसमें अपनी राय रखी. श्वेता के छोटे भाई का बर्थडे था, लेकिन वो इस हमले से इतना परेशान थीं कि वो भाई को विश करना ही भूल गईं.

श्वेता ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में वो अपने छोटे भाई को बर्थडे विश ना कर पाने की वजह से उनसे माफी मांगती दिखाई दे रही हैं. श्वेता ने कहा कि वो दो तीन दिन से काफी डिस्टर्ब्ड थीं और सो नहीं पाईं. श्वेता ने कहा कि वो इस वजह से भाई को विश नहीं कर पाईं. श्वेता ने वीडियो में भाई से माफी भी मांगी है.

'बहुत ज्यादा पेनफुल था'

श्वेता अपने वीडियो में कहती हैं कि-'हाए मेरे छोटे भाई हैप्पी बर्थडे. सॉरी कल बड़ा बुरा दिन था यार, हार्ट वॉस रियली हर्टिंग, कल जो हुआ वो बहुत ज्यादा पेनफुल था. श्वेता ने कहा- मैं केवल न्यूज देख रही थी, और सिर्फ न्यूज ही देख रही थी. पता नहीं कई बार इतना गुस्सा आता है इन सब चीजों को देखकर. श्वेता ने आगे कहा-'ये जो नेता घूमते रहते हैं इतनी पर्सनल सिक्योरिटी लेकर इसकी आधी भी अगर वहां होती तो ऐसा नहीं होता.'

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

बीते दिनों श्वेता की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी. इस तस्वीर में वो एक आदमी के साथ नजर आ रही थीं. तस्वीर के सामने आने के बाद लोगों ने श्वेता को ट्रोल कर दिया था. कई लोगों ने कयास लगाए थे कि श्वेता ने तीसरी शादी कर ली है. हालांकि, श्वेता ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में ही ये बात लिख दी थी कि ये उनके छोटे भाई हैं.

नजरों से गिर रही हो...

राखी सावंत को सताने लगा सीमा हैदर का डर, तो भड़के लोग

बॉलीवुड की कॉन्ट्रोवर्सी क्वीन राखी सावंत हर मामले में कुछ न कुछ बोलते नजर आती हैं. हालांकि, अब वो कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के बाद सरकार के लिए गए फैसले पर अपनी टिप्पणी की है. दरअसल, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, जिसमें 26 लोगों की गोली मार दी गई है. इस घटना के बाद से सरकार की तरफ से फैसला लिया गया कि भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानियों को 48 घंटे के अंदर देश छोड़ना है. इसी बीच राखी को सीमा हैदर का डर सताने लगा है.

साल 2023 में सीमा हैदर अपने बच्चों के साथ गैरकानूनी तरीके से इंडिया में घुस गई और सचिन मीना नाम के शख्स से शादी रचा ली. अब सभी पाकिस्तानियों को वापस भेजे जाने के फैसले के बाद सीमा हैदर पर भी तलवार लटकनी शुरू हो गई है. इसी बीच राखी सावंत सीमा का पक्ष लेते नजर आ रही हैं. राखी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर खुद की एक वीडियो शेयर की है, जिसमें उन्होंने सीमा को वापस न भेजे जाने को लेकर बात की है.

औरत पर अन्याय नहीं करना चाहिए

राखी सावंत ने सीमा को हिंदुस्तान की बहु कहते हुए कहा है कि दोस्तों सीमा हैदर को पाकिस्तान नहीं भेजना चाहिए क्योंकि वो हिंदुस्तान की बहू है. सचिन की बीवी है और उसके बच्चे की मां है. वो सचिन से प्यार करती है और हिंदुस्तानी की हो चुकी है क्योंकि वो सचिन के बच्चे की मां बन चुकी है. तो ऐसे किसी औरत पर अन्याय नहीं करना चाहिए. मां नई बनी होती तो आप उसे भेज सकते थे. आप सीमा हैदर के साथ गलत चीजें नहीं कर सकते हैं.

हिंदुस्तान की नजरों से गिर रही हैं

राखी के इस वीडियो को पोस्ट करने के बाद से ही लोग उनके इस वीडियो पर अपने गुस्से को जाहिर कर रहे हैं. यूजर्स ने राखी के वीडियो पर रिएक्ट करते हुए उन्हें ही पाकिस्तान जाने की सलाह दी है. इतना ही नहीं कई लोगों ने तो ये भी कहा है कि आतंकी हमले में जितने लोगों ने अपनी जान गंवाई है आपको उसका गम नहीं है, आप हिंदुस्तान की नजरों से गिर रही हैं.

साल 2023 में सीमा अपने 4 बच्चों के साथ इंडिया आई थीं. सचिन से शादी के बाद अब उनकी एक बेटी भी है, जिसे भारती मीना नाम दिया गया है.

पति कर्जे में डूबा, तो एक्ट्रेस ने बेच दिया 100 करोड़ की कीमत वाला घर, अब कहां और किस हाल में हैं मधु?

हिंदी सिनेमा के दिग्गज एक्टर अजय देवगन अपने डेब्यू के 33 साल बाद भी बड़े पर्दे पर राज कर रहे हैं. बॉलीवुड में लीड एक्टर के रूप में वो अब भी एक्टिव हैं. उनकी फिल्म 'रेड 2' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. वहीं दूसरी ओर अजय की डेब्यू फिल्म की एक्ट्रेस मधु अपने करियर में बड़ा नाम नहीं कमा पाई.मधु और अजय देवगन ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1991 में फिल्म 'फूल और कांटे' से की थी. ये फिल्म हिट हुई और दोनों को पहचान मिल गई. आगे जाकर अजय सुपरस्टार बन गए, लेकिन मधु के साथ ऐसा नहीं हो सका. उनका करियर जल्द ही ढलान पर चला गया और फिर उन्होंने एक्टिंग भी छोड़ दी थी. वो एक गुमनाम चेहरा बनकर रह गईं. लेकिन फिर उन्होंने सालों बाद कमबैक किया. चलिए आपको बताते हैं कि अब मधु कहां और किस हाल में हैं?

हेमा की भतीजी और जूही की देवरानी हैं मधु

मधु का पूरा नाम मधुबाला रघुनाथ है. उनका जन्म 26 मार्च 1969 को चेन्नई में हुआ था. 56 साल की हो चुकीं मधु दिग्गज एक्ट्रेस हेमा मालिनी की भतीजी और जूही चावला की देवरानी हैं. मधु ने 'फूल और कांटे' के बाद 'रावण राज', 'उड़ान', 'दिलजले', 'रोजा', 'रिटर्न ऑफ ज्वेल थीफ', 'पहचान', 'हथकड़ी' और, 'यशवंत' जैसी फिल्मों में भी काम किया था.

शादी के बाद छोड़ी एक्टिंग

अपने फिल्मी करियर के पीक पर मधु ने साल 1999 में बिजनेसमैन आनंद शाह से शादी रचा ली थी. शादी के बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों से दूरी बना ली थी और वो अपना घर परिवार संभालने लगीं. आनंद और मधु शादी के बाद दो बेटियों के पैरेंट्स बने थे.

पति का बिजनेस डूबा, 100 करोड़ का घर बेचा

मधु ने शादी के बाद एक अच्छी वाइफ होने का फर्ज निभाया. उनके पति आनंद का जब बिजनेस डूब गया था और वो 100 करोड़ रुपये के कर्ज में डूब गए थे, तब एक्ट्रेस ने पति का कर्जा उतारने के लिए अपनी फैमिली द्वारा दिया गया 100 करोड़ रुपये का घर बेच दिया था. जिससे आनंद ने अपना सारा कर्ज चुका दिया.

'कन्नप्पा' में नजर आएंगी मधु

मधु ने सालों तक फिल्म इंडस्ट्री से दूर रहने के बाद कमबैक किया था. मधु को साल 2021 में कंगना रनौत की फिल्म 'थलाइवी' में देखा गया था. फिर वो 2024 में फिल्म 'करतम भुगतम' में भी नजर आईं. अब एक्ट्रेस साउथ एक्टर विष्णु मांचू की 27 जून 2025 को रिलीज होने वाली फिल्म 'कन्नप्पा' में दिखाई देंगी.

6 करोड़ की कार, 100 करोड़ का घर, आखिर कितनी अमीर हैं दिग्गज एक्ट्रेस रेखा?

रेखा की गिनती हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्रियों में होती हैं. 70 के दशक में अपने करियर की शुरुआत करने वाली रेखा ने सालों तक बॉलीवुड पर राज किया. अपनी एक्टिंग के अलावा रेखा अपनी खूबसूरती और डांस के चलते भी लोगों का दिल जीतने में कायमाब रहीं. रेखा अब चाहे बॉलीवुड में एक्टिव न हो, लेकिन दर्शकों ने उन्हें बिल्कुल भी भुलाया नहीं है.बड़े पर्दे पर एक से बढ़कर एक फिल्मों के चलते लोगों के दिलों में अमिट जगह बनाने वाली रेखा ने खूब शोहरत के साथ-साथ खूब दौलत भी कमाई है. आज हम आपको इस दिग्गज अदाकारा की नेटवर्थ के बारे में बताने जा रहे हैं. तो चलिए जानते हैं कि आखिर रेखा कितने करोड़ की मालकिन हैं और उनके पास 6 करोड़ रुपये कीमत की कौन सी कार है?

रेखा की शानदार फिल्में

70 वर्षीय रेखा का जन्म 10 अक्टूबर 1954 को चेन्नई में हुआ था. तेलुगु सिनेमा में बाल कलाकार के रूप में काम करने के बाद उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपने कदम साल 1970 में आई फिल्म 'सावन भादो' से रखे थे. रेखा ने अपने लंबे और सफल करियर में हिट फिल्मों की लाइन लगाई है.

रेखा की सबसे ज्यादा पसंद की गई फिल्मों में 'मुकद्दर का सिकंदर', 'खून भरी मांग', 'खूबसूरत', 'घर', 'नमक हराम', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'जीवन धारा', 'उमराव जान', 'मिस्टर नटवरलाल', 'लज्जा', 'जुदाई', 'प्यार की जीत', 'बहूरानी', 'दो अनजाने', 'बीवी हो तो ऐसी' और 'कोई मिल गया' शामिल है. उन्हें आखिरी बार 'यमला पगला दीवाना फिर से' (2018) के गाने में देखा गया था.

6 करोड़ की कार में घूमती हैं एक्ट्रेस

रेखा के पास कई लग्जरी गाड़ियां हैं, इनमें सबसे महंगी है 6.01 करोड़ रुपये कीमत की रोल्स रॉयस घोस्ट. इसके अलावा उनके पास ऑडी ए8 (1.63 करोड़ रुपये), मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास (2.17 करोड़ रुपये) और 2.03 करोड़ रुपये कीमत वाली बीएमडब्ल्यू आई7 इलेक्ट्रिक कार भी है.

332 करोड़ नेटवर्थ, 100 करोड़ का घर

रेखा ने अपने करियर में अच्छी खासी दौलत भी कमाई है. वो लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं, हालांकि इसके बावजूद उनकी नेटवर्थ जानकर आपको बड़ा झटका लग सकता है. रेखा मुंबई के बैंड स्टैंड में 100 करोड़ रुपये कीमत के घर 'बसेरा' में रहती हैं. वहीं उनकी टोटल संपत्ति 332 करोड़ रुपये है.

कांग्रेस ने आयुष्मान मंदिर का नाम डा. आंबेडकर केंद्र करने की मांग की

नई दिल्ली
दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर का नाम डा. आंबेडकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करने की मांग की है। उन्होंने रविवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि मौहल्ला क्लीनिक का नाम बदल कर आयुष्मान आरोग्य मंदिर रखने से क्या दिल्ली वालों के स्वास्थ्य की सुरक्षा की जा सकती है। खस्ताहल 533 मौहल्ला क्लीनिक की जगह एक साल में 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने का लक्ष्य रखना कहीं रेखा गुप्ता सरकार की अतिश्योक्ति तो नहीं। आम आदमी पार्टी 1000 मौहल्ला क्लीनिक खोलने का ढोल पीटती रही और 10 वर्षों में 533 मौहल्ला क्लीनिक ही खोल पाई। देवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा की दिल्ली सरकार लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए मोहल्ला क्लीनिकों की हालत सुधार कर उन्हें गरीब लोगों के इलाज के लायक बनाना ही चाहती है तो आयुष्मान आरोग्य मंदिर की जगह इनका नाम डा. आंबेडकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में देश के हर वर्ग के अधिकारों विशेषता गरीब, वंचित और समाज में निचली रेखा के लोगों को समानता का अधिकार देने के अवसर प्रदान किए। देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान दिल्ली सरकार के अधिकृत वर्ष 2013-14 मे डिस्पेंसरी 450 थी, जिनमें एलोपैथिक, मोबाइल हेल्थ क्लीनिक, स्कूल हेल्थ स्कीम शामिल थी जिनको आम आदमी पार्टी ने बंद करके मोहल्ला क्लीनिक खोल दिए। 2022-23 में घटकर 228 रह गई थी। देवेंद्र यादव ने कहा कि 3 महीनों में 70 अरोग्य मंदिर के उद्घाटन का लक्ष्य भाजपा सरकार की जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने शासन में 533 मौहल्ला क्लीनिक ही खोल पाई और यह भी लोगों के इलाज के लायक कभी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एक वर्ष में 1139 आरोग्य मंदिर कैसे खोल सकेंगी ? भाजपा की घोषणा कि 50 हजार की आबादी के लिए एक बड़ा आयुष्मान आरोग्य मंदिर जिसमें 50 तरह के टेस्ट, नार्मल डिलीवरी, डेय केयर और 15 हजार की आबादी पर छोटा आरोग्य मंदिर बनेगा।

सत्यापन शुरू होते ही पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों में बेचैनी

पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी अपनी स्थिति को लेकर चिंतित, जानकारी के अभाव में हो रहे हलकान

नई दिल्ली
उत्तरी दिल्ली के मजनू का टीला में रह रहे पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी अपनी स्थिति को लेकर चिंतित हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तानी हिंदू नागरिकों को दिया गया लंबी अवधि का वीजा (एलटीवी) वैध रहेगा, लेकिन अपर्याप्त जानकारी के कारण शरणार्थियों में अनिश्चितता बनी हुई है। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में सत्यापन अभियान शुरू किया है। सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी अवैध रूप से न रहे या जाली दस्तावेजों का उपयोग न कर रहा हो। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस प्रक्रिया में किसी को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाएगा। यह कदम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बाद उठाया गया है। मजनूं का टीला में हिंदू शरणार्थी समुदाय के अध्यक्ष सोना दास ने बताया कि कई परिवार वर्षों से दिल्ली में रह रहे हैं और समय-समय पर दस्तावेज सत्यापन के बाद अपने वीजा नवीनीकृत कराते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ परिवार एक-दो महीने पहले ही पाकिस्तान से आए हैं और मजनू का टीला के पास शिविरों या सिग्नेचर ब्रिज के नीचे शरण लिए हुए हैं।

दूसरे समूह के नेता दयाल दास ने बताया कि पुलिस ने हाल ही में उनसे संपर्क कर नागरिकता प्राप्त करने वालों, आवेदन लंबित वालों और नए आए परिवारों का विवरण मांगा। उन्होंने कहा पिछले दो महीनों में 10-12 नए परिवार पाकिस्तान से यहां आए हैं। शरणार्थी शिविर के निवासी कृष्ण लाल ने चिंता जताई कि उनकी पत्नी, बच्चों और भाई के नागरिकता आवेदन अभी लंबित हैं। उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि उनके वीजा रद्द होंगे या उन्हें रहने की अनुमति मिलेगी। मजनू का टीला में चाय की दुकान चलाने वाले कन्हैया ने कहा पाकिस्तान में हमारे लिए कोई नहीं बचा। अगर हमें दिल्ली छोड़ने के लिए कहा गया तो हमारे पास जाने की कोई जगह नहीं होगी।

मिट्टी में मिले आतंकियों के घर: 48 घंटे में नौ दहशतगर्दों के मकान किए गए तबाह

जम्मू
पहलगाम हमले के बाद आतंकवादी तंत्र पर सुरक्षाबलों का कड़ा प्रहार जारी है। दो और आतंकियों के घर मिट्टी में मिला दिए गए। वीरवार रात से लेकर अब तक नौ आतंकवादियों के घर मिट्टी में मिल चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, बांदीपोरा जिले में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी जमील अहमद शेरगोजरी का घर ध्वस्त कर दिया गया। शेरगोजरी 2016 से सक्रिय आतंकवादी है। इसी तरह पुलवामा जिले में सक्रिय आतंकवादी आमिर नजीर का घर भी ढहा दिया गया है। इससे पहले आतंकी एहसान-उल-हक शेख, लश्कर-ए-ताइबा के सक्रिय शीर्ष कमांडर शाहिद अहमद कुट्टे, जाकिर अहमद गनी, अदनान शफी, आतंकी फारूक तीड़वा, आदिल हुसैन ठोकर और आसिफ शेख का घर जमींदोज किया जा चुका है।

भारत से 537 नागरिक पाकिस्तान लौटे, 850 भारतीय आए वापस

पाकिस्तान से 850 भारतीयों की स्वदेश वापसी

चंडीगढ़
भारत में वीजा अवधि समाप्त होने के बावजूद रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी का सिलसिला जारी है। रविवार शाम तक 537 पाकिस्तानी नागरिक अटारी-बाघा बार्डर के रास्ते पाकिस्तान वापस गए हैं। वहीं आज तक 850 भारतीय पाकिस्तान से वापस आ चुके हैं। केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी के लिए दो दिन का समय और बढ़ा दिया है। पिछले चार दिन से अटारी-बाघा बार्डर पर लोगों का जमघट लगा है। अपने मुल्क लौटने वाले हरेक के मन में पीड़ा-टीस और आक्रोश है। पीड़ा-टीस इसलिए कि कुछ लोगों के कारण दोनों मुल्कों के रिश्ते खराब हुए और उसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। दिल्ली की रहने वाली और पाक में ब्याही राबिका वतन वापसी के दौरान काफी आक्रोशित दिखाई दी। वह बीते पांच सालों से मायके आने के लिए वीजा अप्लाई करती रहीं लेकिन नहीं दिया गया। इस बीच उनकी मां, दो भाई और भतीजे की मौत हो गई, लेकिन उस दौरान भी उनको नहीं आने दिया गया। उन्होंने बताया कि इस बार उनको 45 दिन का वीजा मिला और मायके आईं लेकिन दो दिन में ही वापसी करनी पड़ रही है। वह दोनों ही सरकारों को कोसती हुई वापस चली गईं। उधर, पाकिस्तान के सिंध प्रांत से आए हिंदुओं का एक दल रविवार को भारत लौट आया। सिंध प्रांत के रहने वाले इस दल में 45 व्यस्क व 15 बच्चे थे। दल में शामिल कांति लाल, किशन लाल और चूनी ने बताया कि वह लोग दो महीने पहले घूमने आए थे। गुरदासपुर, अमृतसर, फिरोजपुर और पंजाब के अन्य सीमावर्ती जिलों से भी कई पाकिस्तानी नागरिक आज सीमा की ओर रवाना हुए हैं। अधिकारियों ने हर स्थान पर दस्तावेजों की जांच की ताकि कोई भी बिना अनुमति भारत में न रह सके। अरुण कुमार के अनुसार रविवार, को 237 के करीब पाकिस्तानी नागरिक अटारी-बाघा बार्डर के रास्ते पाकिस्तान वापस हुए हैं। 116 भारतीय आज इस रास्ते से भारत वापस लौटे हैं। अभी तक कुल 537 के करीब पाकिस्तानी नागरिक वापस जा चुके हैं और 850 के करीब भारतीय नागरिक भी वापस लौट चुके हैं।

खुशखबरी: दिल्ली के बुजुर्गों को आज से मिलेंगे आयुष्मान हेल्थ कार्ड

नई दिल्ली
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत दिल्ली में 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को सोमवार (28 अप्रैल) से आयुष्मान वय वंदना कार्ड जारी किए जाएंगे।

किसे मिलेगा वय वंदना कार्ड?
इस योजना के तहत दिल्ली में 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्ग दस लाख रुपये का निशुल्क इलाज पा सकेंगे। जिसमें पांच लाख रुपये का इलाज आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई के तहत और पांच लाख रुपये का अतिरिक्त स्वास्थ्य बीमा दिल्ली सरकार उपलब्ध कराएगी।

किन बीमारियों का होगा इलाज
हर वर्ग के बुजुर्गों को यह कार्ड जारी होगा। इसलिए आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई से पंजीकृत निशुल्क अस्पतालों से 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्ग बीमार होने पर निशुल्क इलाज पा सकेंगे। इससे बुजुर्गों को बड़ी राहत मिलेगी। बुजुर्गों को अस्थमा, ब्लड प्रेशर, किडनी की परेशानी, हृदय रोग, आंखों में मोतियाबिंद इत्यादि परेशानी अधिक होती है। मोतियाबिंद से पीड़ित बुजुर्ग अपना निशुल्क सर्जरी भी आसानी से करा सकेंगे।

श्री खाटू श्याम जी के कीर्तन पर हजारों की संख्या में पहुंचे भक्त

दिव्या दिल्ली : श्याम प्रेम मंडल रजिस्टर्ड की ओर से राणा प्रताप बाग में 22वां विशाल श्री खाटू श्याम जी का कीर्तन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों भक्तों ने दर्शन लाभ उठाया एवं भजनों का रसपान किया। तथा तकरीबन 6000 लोगों ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। दरबार की साज सज्जा देखने लायक थी। यह कीर्तन राणा प्रताप बाग में पार्क में किया गया इस पार्क का नाम ही अब श्याम वाटिका कर दिया गया है। संस्था में सभी सदस्यों को श्याम सेवक माना जाता है। जिसमें संजय कनोजिया, जगमोहन गुप्ता, इंदर गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, मनोज गुप्ता, सुनील पुरी, राजेश गुप्ता, संजय गुप्ता,सभी सदस्य गणों की बड़ी मेहनत से कार्यक्रम पूर्ण सफल रहा। इस अवसर पर राजनीतिक, धार्मिक , सामाजिक व व्यापारी नेताओं ने दर्शन किए संस्था की ओर से विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, केंद्रीय मंत्री रविंद्र राज, विधायक अशोक गोयल, निगम पार्षद रेणु गुप्ता, फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन पंजीकृत के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा व अध्यक्ष राकेश यादव को सम्मानित किया।इस अवसर पर नरेंद्र गुप्ता व सुनील पुरी ने बताया कि लगभग 22 वर्ष से इसी प्रकार श्री खाटू श्याम जी का कीर्तन व भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें काफी संख्या में भक्त जन आते हैं।

महानगर दिल्ली उत्तराखंड प्रवासी संगठन नें बनाई अतराखड के लोगो के लिए विभिन्न योजना

बिनोद कुमार
दिव्य दिल्ली : महानगर दिल्ली उत्तराखंड प्रवासी संगठन के संस्थापक एवं अध्यक्ष कमल ध्यानी और महासचिव मुकेश खंत्वाल के द्वारा दिल्ली के हरी नगर स्थित प्रताप नगर गुरुद्वारा में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विधानसभा के डिप्टी स्पीकर मोहन सिंह बिस्ट और राष्ट्रीय परीक्षण और अनुशासन प्रयोगशाला प्रत्यापन बोर्ड (एनएबीएल) के पूर्व चेयरमैन आर के कोर्टनाला मौजूद रहे, कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई साथ ही संगठन के मुख्य उद्देश्य के बारे में भी वहां उपस्थित लोगों को जानकारी दी गई। संगठन का मुख्य उद्देश्य है उत्तराखंड के मूल निवासियों की एकता और सामूहिकता, आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा, सामुदायिक भवनों की स्थापना, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान, मूल निवासी बच्चों के लिए छात्रावास और उच्च शिक्षा के लिए सहायता, सामाजिक उत्तरदायित्व गरीब परिवारों की बेटियों की शादी करवाना, शहीद परिवारों की सहायता, उत्तराखंड आंदोलन के शहीद परिवारों के पुनर्वास की योजना, स्थाई आवास की व्यवस्था किराए के मकान से अपने मकान तक की योजना, रोजगार की व्यवस्था और परीक्षण, और कानूनी सहायता मुहैया करना ताकी उतराखड के लोगो का सामुहिक विकास हो सके। हरि कृष्ण ढौंडियाल (पश्चिमी जिला अध्यक्ष उत्तराखंड प्रकोष्ठ भाजपा दिल्ली प्रदेश) ने इस दौरान कहा हमारे उद्देश्य और कार्यों के माध्यम से हम उत्तराखंड के मूल निवासी को एक सशक्त समृद्ध और खुशहाल भविष्य प्रदान करना चाहते हैं लेकिन इस यात्रा में सभी का साथ काफी महत्वपूर्ण है और हम मिलकर उत्तराखंड के हर नागरिक की जीवन गुणवत्ता को सुधारने की दिशा में काम करेंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पश्चिमी जिला अध्यक्ष उत्तराखंड प्रकोष्ठ हरि किशन ढ़ोढ़ियाल, प्रदेश मंत्री दिल्ली भाजपा विनोद बछेती, हरी नगर के विधायक श्याम शर्मा, उत्तराखंड प्रकोष्ट के संयोजक दिल्ली प्रदेश के नरेंद्र मनराल, उपाध्यक्ष संयोजक उत्तराखंड प्रकोष्ठ दिल्ली प्रदेश के विलेन्दर कुमार आर्य, संस्कृत अकादमी दिल्ली सरकार के निदेशक जीतराम भट्ट और शहीद भगत सिंह शांति कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सुरेश कुमार बंदूनी सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य भूमिका निभाने वाले कमल ध्यानी संस्थापक एवं अध्यक्ष महानगर दिल्ली उत्तराखंड प्रवासी संगठन, हरपाल सिंह मंडल प्रधान, गिरीश बनौली संरक्षक, मुकेश खंत्वाल महासचिव, वींद्रेद्र पटवाल सचिव, लक्ष्मी नेगी सह सचिव, हरेंद्र रावत कोषाध्यक्ष, एडवोकेट महावीर सिंह परस्वार्ण कानूनी सलाहकार कार्यक्रम के द्वारा कार्यक्रम के आयोजन किया गया। संस्थापक एवं अध्यक्ष कमल ध्यानी नें सभी का आभार व्यकत किया।

खालिस्तानी नेता ने पाकिस्तान के समर्थन में जताई एकजुटता, भारतीय सेना के पंजाब से गुजरने का किया विरोध

नई दिल्ली
खालिस्तान आंदोलन के प्रमुख नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून ने एक बार फिर विवादास्पद बयान देते हुए पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त की है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे भारतीय सेना को पंजाब के रास्ते पाकिस्तान पर हमला करने की अनुमति नहीं देंगे। पन्नून ने कहा, "हम भारतीय सेना को पंजाब से पाकिस्तान पर आक्रमण करने के लिए नहीं गुजरने देंगे। भारत में पाकिस्तान पर हमला करने का साहस नहीं है।" उन्होंने दावा किया कि वे पाकिस्तान के लोगों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। पन्नून ने जोर देकर कहा, "हम बीस मिलियन सिख पाकिस्तान के साथ दीवार की तरह खड़े हैं।" पन्नून ने भारत में अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से सिख समुदाय के प्रति हो रहे कथित अत्याचारों का भी उल्लेख किया।

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में अभाविप ने लहराया परचम

नई दिल्ली
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (अभाविप) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्रसंघ चुनाव में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के 16 स्कूलों और विभिन्न संयुक्त केंद्रों के कुल 42 काउंसलर पदों में से 23 पदों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। यह किसी भी अन्य छात्र संगठन की तुलना में सर्वाधिक है। अभाविप जेएनयू के इकाई अध्यक्ष राजेश्वर कांत दुबे ने बताया कि रविवार को "अभाविप ने जेएनयूएसयू काउंसिल में 42 में से 23 सीटों पर विजय प्राप्त कर काउंसिल में पचास प्रतिशत से अधिक की उपस्थिति पर कब्जा कर लिया है, जिससे जेएनयूएसयू द्वारा किए जाने वाले फैसलों में अब अभाविप की अहम जगह प्राप्त हो सकेगी।

यह विजय एबीवीपी के रूप में उस सकारात्मक बदलाव की विजय है जिसे जेएनयू के छात्रों ने चुना है।

तिलक नगर में स्कूटी खरीदने आई महिला को कंपनी नें गिफ्ट की कार

विनोद कुमार
दिव्या दिल्ली : तिलक नगर स्थित द्वारका सुजुकी शोरूम में एक महिला द्वारा स्कूटी खरीदने पर महिला को उपहार में मारुति सुजुकी फ्रोंक्स कार दी गई। दरअसल कंपनी द्वारा चलाए गए स्कीम के तहत लकी ड्रा महिला देशभर में महिला प्रथम पुरस्कार की विजेता बनी इसके बाद कंपनी द्वारा उन्हें मारुति सुजुकी फ्रोंक्स कार दी गई। लकी ड्रा में कार जीतने वाली महिला का नाम मीनू है और वह दिल्ली के तिलक नगर की रहने वाली है। कंपनी द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह मौजूद रहे, जरनैल सिंह ने महिला को कार की चाबी सौंपते हुए शुभकामनाएं दी इस दौरान मीडिया से बात करते हुए महिला ने अपनी खुशी व्यक्त की और उन्होंने कहा जब उनके पास पहली वार कॉल आई तो उन्हे विश्वास नहीं हो रहा था की वह कार जीत चुकी है। उन्हें लगा कोई फ्रॉड कॉल है लेकिन जब वेरिफिकेशन किया गया तो उन्हें पता चला कि वह स्कूटी खरीदी थी उसी के ड्रा में वह कार जीत चुकी है। कंपनी की और सा साझा की गई जानकारी में बताया गया, कंपनी के द्वारा एक स्पेशल स्कीम के तहत लकी ड्रा का आयोजन किया गया था जिसमें इन महिला का नाम फर्स्ट।

दिल्ली में रह रहे 5000 पाकिस्तानी नागरिक, पुलिस को मिली लिस्ट

नई दिल्ली
इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे करीब 5000 पाकिस्तानी नागरिकों की सूची दिल्ली पुलिस को सौंपी है, ताकि इन लोगों की घर वापसी सुनिश्चित की जा सके। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम जिले में पर्यटकों पर हुए हालिया आतंकवादी हमले के बाद केंद्र के हालिया निर्देश के मद्देनजर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) ने सूची को दिल्ली पुलिस की एक विशेष शाखा के साथ साझा किया है और इसे आगे के सत्यापन और पहचान के लिए संबंधित जिले के साथ भी साझा किया गया है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397